डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 18 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

युद्ध हो या जीवन, सफलता सिर्फ तीन शस्त्रों से मिलती है, "धर्म", "धैर्य" और "साहस"।

जयपुर, शुक्रवार, 28 अक्टूबर 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

एक नज़र

राजधानी में सूर्य ग्रहण देखने के लिए उमड़े सैलानी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। इस साल का आखिरी सूर्य ग्रहण दीपावली पर्व के दूसरे दिन रहा। इसलिए गोवर्धन पर्व एक दिन बाद बुधवार को मनाया गया। सूर्य ग्रहण को विश्व के अधिकांश देशों में देखा गया, जबकि भारत में सूर्यास्त तक लगभग 2 घंटे तक दिखा। जयपुर में यह खगोलीय घटना देखने के लिए लोग ऊंची जगह तलाशते रहे। साइंस पार्क के वैज्ञानिकों ने जयपुर के ऊंचाई पर स्थित सूर्य मंदिर पर आम दर्शनार्थियों द्वारा सूर्य ग्रहण निशुल्क दिखाने की व्यवस्था की। साइंस पार्क के वैज्ञानिकों ने टेलीस्कोप के साथ अपने प्रशिक्षित स्टाफ को भी जनता को ग्रहण दिखाने और समझाने के लिए लगाया व चश्मे भी मुहैया कराए।

उमेश मिश्रा होंगे डीजीपी, सीएम गहलोत की मंजूरी के बाद कार्मिक विभाग ने जारी किया आदेश

जयपुर। राजस्थान के अगले डीजीपी उमेश मिश्रा होंगे । उमेश मिश्रा राजस्थान के 35 वें डीजीपी होंगे। मौजूदा समय में वे डीजी इंटेलीजेंस पद पर कार्यरत है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंजूरी के बाद कार्मिक विभाग ने गुरूवार रात साढे 11 बजे आदेश जारी कर दिए। वर्तमान डीजीपी एमएल लाठर 3 नम्बर को सेवानिवृत्त होंगे जिसके बाद उमेश मिश्रा डीजीपी बनेंगे।

भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष 1989 बैच के अधिकारी उमेश मिश्रा को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक,पुलिस पदक मिल चुका हैं।

नए डीजीपी उमेश मिश्रा ने राजस्थान पुलिस ने सबसे पहले वर्ष1992 से 94 में एएसपी रामगंज के पद पर कार्य किया। जिसके बाद मिश्रा ने चूरू, भरतपुर,पाली, कोटा सिटी में जिला पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्य किया। वर्ष 1999 से 2005 तक मिश्रा असिस्टेंड डायरेक्टर आईबी दिल्ली में पदस्थापित रहे। 2005 से 2007 तक डीआईजी एसीबी के पद पर कार्य किया। वर्ष 2007 में आईजी एटीएस के पद पर भी कार्य किया। वर्ष 2009 में आईजी विजिलेंस के पद पर भी मिश्रा रहे। दोबारा आईजी बनने के बाद मिश्रा ने एसीबी ज्यॉइन किया। वर्ष 2011 और 12 में आईजी जोधपुर के पद पर भी काम कर चुके हैं।

खड़गे ने संभाली कमान

- सोनिया ने कहा... मैं बड़े दायित्व से हुई मुक्त
- परम्परा अनुसार पदाधिकारियों ने सौंपे इस्तीफे, सीडब्ल्यूसी भंग
- संचालन समिति में थरूर का नाम नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव में शशि थरूर को मात देने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार सुबह सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्यों, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष और पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष का पदभार संभाला। कमान संभालने से पहले खड़गे ने राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

खड़गे के कार्यभार संभालने के बाद सीडब्ल्यूसी के सभी सदस्यों, महासचिवों और प्रभारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद कार्य संचालन के लिए 47 सदस्यीय कमेटी गठित की गई है।

झूठ और नफरत को ध्वस्त करेंगे: खड़गे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने संबोधन में कहा कि आज एक मजदूर का बेटा कांग्रेस का अध्यक्ष बना है, यह मेरे लिए भावुक क्षण है। अपनी मेहनत और अनुभव से जो कुछ भी संभव होगा, मैं करूंगा। आपको भी पूरी ताकत के साथ लड़ना होगा। यही मेरी अपील है। उन्होंने सोनिया गांधी के योगदान को सराहा। उन्होंने कहा, पार्टी मौजूदा सरकार की 'झूठ एवं नफरत की व्यवस्था' को ध्वस्त करेगी।

अब ज़िम्मेदारी खड़गे जी पर: सोनिया गांधी

सोनिया गांधी ने खड़गे को बधाई दी और कहा कि मैं आज बड़े दायित्व से मुक्त हो जाऊंगी। उन्होंने कहा कि आपने हमेशा मुझे सहयोग और समर्थन दिया। अब यह जिम्मेदारी खड़गे जी के ऊपर आ गई है। परिवर्तन संसार का नियम है। आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि आज देश के सामने लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए संकट यह पैदा हुआ है, उसका मुकाबला करना है।

कांग्रेस संचालन समिति गठित

संचालन समिति में खड़गे ने जिन नेताओं को शामिल किया है उनमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, एके एंटनी, अभिषेक मनु सिंघवी, अजय माकन, अंबिका सोनी, आनंद शर्मा, अविनाश पांडेय. गाएखांगम, हरीश रावत, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, मुकुल वासनिक सहित 47 नेताओं को शामिल किया है।

इनको नहीं मिली जगह

कांग्रेस की संचालन समिति में आनंद शर्मा, मुकुल वासनिक जैसे कुछ गिने चुने नेताओं के अलावा जी 23 के नेताओं को जगह नहीं दी गई है। खड़गे के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले शशि थरूर को भी इस संचालन समिति में जगह नहीं दी गई। वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी, पीजे कुरियन, पृथ्वीराज जव्हाण, भूपेंद्र हुड्डा को भी इस सूची से बाहर रखा गया है।

मानसरोवर के भव्य पार्क को लेकर जनता का इंतज़ार ख़त्म

गुलाबी नगर को मुख्यमंत्री ने दी सिटी पार्क की सौगात

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के मानसरोवर में राजस्थान आवासन मंडल द्वारा विकसित किए गए प्रदेश के अनूठे एवं शानदार सिटी पार्क का शुक्रवार को लोकार्पण किया। इसके साथ ही जयपुरवासियों का इस पार्क का इन्तजार खत्म हुआ। सीएम ने करीब एक घंटे तक पार्क का अवलोकन किया। इस दौरान हाउसिंग बोर्ड आयुक्त पवन अरोड़ा ने पार्क की खूबियों की जानकारी दी। सिटी पार्क की सघन हरियाली, आकर्षक स्कल्पचर्स, रोमांचित कर देने वाली लाइटिंग तथा प्रदेश के सबसे ऊंचे 213 फीट राष्ट्रीय ध्वज से प्रभावित हुए। सीएम ने कहा कि जयपुर का यह सबसे खूबसूरत पार्क है और इसके बारे में जैसा सुना था यह उससे भी अधिक सुंदर और मनोहारी है। सीएम ने इस पार्क के निर्माण के लिए आवासन आयुक्त अरोड़ा को बधाई दी। कार्यक्रम में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि सीएम गहलोत के विजन के कारण आवासन मंडल न केवल अपने पैरों पर खड़ा हुआ है, बल्कि दौड़ने भी लगा है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने किया वृक्षारोपण

मुख्यमंत्री गहलोत ने 52 एकड़ में बने सिटी पार्क में भव्य एंट्री प्लाजा, गुम्बदनुमा स्टील स्ट्रक्चर, आकर्षक फाउंटेन व पार्क में बनी विशिष्ट कलाकृतियों का अवलोकन किया। उन्होंने सिटी पार्क में वृक्षारोपण भी किया। साथ ही राजस्थान के सबसे ऊंचे (213 फीट) राष्ट्रीय ध्वज एवं लोअर लेक को देख इनकी सराहना की। पार्क में 3.5 किमी लम्बा जॉगिंग ट्रैक बनाया गया है। जिस पर लोग लाइटिंग एवं म्यूजिक का आनंद ले सकेंगे। पार्क में पत्थर एवं मेटल से बनी 17 विशिष्ट स्कल्पचर्स, 2 पार्किंग एरिया, ऑक्सी हब, रॉक फाउंटेन, बैठने के लिए आकर्षक बेंचें एवं आर.ओ. वाटर पेयजल स्टेशन के कार्य किए गए हैं।

मेट्रो के डम्पिंग यार्ड की जगह बना पार्क

आवासन आयुक्त अरोडा ने बताया कि सिटी पार्क के प्रथम चरण के लिये 61.31 करोड के कुल 34 कार्यादेश जारी किए गए थे और 54.99 करोड में इन सभी कार्यों को पूरा कर लिया गया है। यहां 32 विभिन्न प्रजातियों के 25 हजार फूलदार एवं फलदार पौधे तथा लगभग 40 हजार फुलवारी पौधे लगाए गए हैं। दूसरे चरण में फाउंटेन स्क्वायर, वी.टी. रोड, अरावली मार्ग एवं न्यू सांगानेर रोड पर एंट्री प्लाजा, बॉटेनिकल गार्डन, एक्सपोजिशन ग्राउंड, जयपुर चौपाटी की तर्ज पर फूड कोर्ट का निर्माण तथा 2500 वर्गमीटर में अपर लेक के कार्य निर्माणाधीन हैं। जिनकी पूर्णता पर 58.54 करोड की राशि व्यय होना सम्भावित है।

दस माह बाद जयपुर में कोरोना के मरीज शून्य

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण को लेकर राहत की खबर है। राजधानी जयपुर में 10 माह बाद कोरोना का एक भी मरीज सामने नहीं आया, वहीं बुधवार को प्रदेश में मात्र 3 मरीज मिले हैं। कोटा में 2 और जोधपुर में 1 मरीज मिला है।

प्रदेश में बुधवार को कोरोना से 37 मरीज ठीक हुए। इसके बाद एक्टिव मरीजों की संख्या घटकर 320 हो गई है। प्रदेश में कोरोना मरीजों में कमी का एक और मुख्य कारण सैंपलिंग कम करना और त्योहारी सीजन में मरीजों का अस्पतालों में नहीं जाना भी है। बुधवार को प्रदेश भर में 714 मरीजों के सैंपल लिए गए। प्रदेश में कोरोना से अब तक 9 हजार 644 लोगों की मौत हो चुकी है।

दीपोत्सव पर बाज़ार में हुई जमकर खरीदारी

जयपुर में तीन दिन में तीन हजार करोड़ का कारोबार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दीपोत्सव के दौरान तीन दिन जयपुर सहित प्रदेश के बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ी। दो दिन की धनतेरस होने पर लोगों ने शगुन के हिसाब से बर्तन, जेवर, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, प्रॉपर्टी की जमकर खरीददारी की। एक अनुमान के मुताबिक इस वर्ष धनतेरस और दिवाली पर प्रदेश की राजधानी जयपुर में करीब 3 हजार करोड़ रुपए की खरीदारी हुई है, वहीं, प्रदेश में 15 से 18 हजार करोड़ का व्यापार हुआ है। यही नहीं, प्रॉपर्टी के बाद सबसे ज्यादा करीब 2200 करोड़ के वाहनों की बिक्री हुई है। दरअसल वाहनों की बुकिंग लोगों ने पहले की करवा ली थी। राजस्थान ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश सिंघल ने बताया कि प्रदेश में दो वर्ष बाद इतनी बड़ी संख्या में वाहनों की मांग देखी है। इस बार टू व्हीलर और फोर व्हीलर सेगमेंट में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की भी मांग बढ़ी है। इसके अलावा हाइब्रिड कार भी लोगों की पहली पसंद रही, जिसमें एसयूवी कार की अधिक बिक्री हुई है। जयपुर में एक हजार करोड़ के वाहन बिके। दीपावली पर राजधानी जयपुर में एक हजार करोड़ के करीब 25 हजार टू व्हीलर और 5 हजार फोर व्हीलर बिके। दीपावली के तीन दिन यानी धनतेरस से वाहनों के डीलर्स के शोरूम पर खरीदारी करने वालो की भीड़ लगी रही। कोरोना के 2 वर्ष बाद लोगों ने इतनी बड़ी संख्या में वाहन खरीदे गए हैं। सिंघल ने बताया कि इस बार पेट्रोल डीजल के वाहनों के साथ साथ इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग अधिक रही।

हजारों करोड़ का व्यापार

कोरोना के 2 साल बाद इस बार दीपावली पर बाजारों में रौनक देखने को मिली। खरीदारों की भीड़ ज्वैलरी शॉपस, बर्तन की दुकान पर भी दिखाई दी। जयपुर सर्राफा बाजार एसोसिएशन अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने बताया कि सर्राफा बाजार में एक हजार करोड़ के सोने-चांदी के सिक्के और गहने की खरीद का अनुमान है। दो दिन धनतेरस और दीपावली के दिन भी जमकर खरीदारी हुई है।

संविदाकर्मियों को दीपावली पर तोहफा

30 हजार कार्मिकों को सरकार ने दी जॉब गारंटी

- कैबिनेट कमेटी की सिफारिश के बाद हुआ निर्णय

जयपुर। राज्य सरकार ने दिवाली पर प्रदेश के 30 हजार से अधिक संविदा कर्मचारियों को जॉब गारंटी का बड़ा उपहार दिया है। सरकार ने नए कैडर, वेतन बढ़ोतरी और पदोन्नति के अवसरों के साथ संविदाकर्मियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के लागू होने से पंचायत सहायक, शिक्षाकर्मी और पैराटीचर्स तीनों तरह के संविदाकर्मियों को बड़ी राहत मिलेंगे। गहलोत सरकार ने सरकार के विभिन्न महकमों में काम कर रहे संविदाकर्मियों के लिए अलग से नियम और कैडर बनाने के लिए शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन किया था।

वेतनमान भी तय

इन संविदाकर्मियों में पंचायत सहायक, शिक्षाकर्मी और पैराटीचर्स शामिल हैं। तीनों को अब शुरु में 10,400 रुपए का वेतन मिलेगा। जिनको अभी 10,400 से ज्यादा मिलते हैं, उनका वेतन पहले की तरह मिलता रहेगा। संविदाकर्मियों की 9 वर्ष की सेवा पूरी होने पर इन्हें 18,500 रुपए और 18 साल की सेवा पूरी करने पर 32,300 रुपए वेतन मिलेगा। जिनका पहले का वेतन ज्यादा है तो उन्हें वेतन में दो इन्क्रीमेंट जोड़कर नया वेतन दिया जाएगा। जिनका पहले से मिलने वाला वेतन संरक्षित किया गया है, उनकी 9 और 18 साल की सर्विस की गिनती नियमों के आने की तारीख से होगी।

ऋषि सुनक के सिर काँटों का ताज

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था सुधारने के साथ पार्टी को एकजुट करना भी चुनौती

ब्रिटेन के पहले भारतवंशी और पिछले 210 वर्षों के सबसे युवा प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री निवास में प्रवेश करने से पहले देश को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें पिछली सरकार की भूलें सुधारने के लिए चुना गया है। आर्थिक स्थिरता और साख बहाल करना उनका मुख्य एजेंडा होगा और वह लोगों का भरोसा जीत कर दिखाएंगे। इस दौरान ऋषि सुनक ने गंभीर मुद्रा बनाए रखी। मानो यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हों कि भले ही वे ब्रिटन की सत्ता संभाल कर वैसा ही इतिहास रचने जा रहे हों जैसा ओबामा ने अमेरिका में रचा था, पर परिस्थितियां जश्न की नहीं, गंभीरता से काम पर जुट जाने की हैं। ऋषि सुनक की इस गंभीर मुद्रा को उनकी वक्त की नब्ज पहचानने की समझबूझ के प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है।

बकिंघम प्रासाद से प्रधानमंत्री निवास पहुंचते समय उनके पास नियुक्ति पत्र की फाइल के अलावा और कुछ नहीं था। पत्नी, बच्चे, सहायक कोई नहीं, क्योंकि उन्हें इसका आभास है कि उनकी संपन्नता को लेकर राजनीतिक गलियारों और मीडिया में काफी चर्चा है। वह ब्रितानी इतिहास के सबसे अमीर प्रधानमंत्री माने जाते हैं। केंद्रीय लंदन में उनका आलीशान मकान, देहात में एक महलनुमा घर और ठाठ-बाट को पिछले पार्टी नेता चुनाव में मुद्दा भी बनाया गया था।

मंदी, महंगाई और तंगी के इस दौर में ब्रिटेन की आर्थिक साख बहाल करने के लिए उन्हें किफायत, बचत और कटौती के कड़े फैसले लेने होंगे और लोगों को उनका कड़वा घूंट पीने के लिए तैयार करना होगा। यह काम विनम्रता और सादगी से पेश आए बिना नहीं हो सकता। ऋषि सुनक के सास-ससुर सुधा और नारायण मूर्ति अमीरी में भी सादगी से रहने के लिए जाने जाते हैं। लोगों का भरोसा जीतने के लिए ऋषि भी अब वही तरीका अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।

ऋषि सुनक की पहली चुनौती आपस में वैचारिक मतभेद रखने वाले पार्टी के धड़ों को एकजुट करना है। इसीलिए जवाबदेह सरकार का वादा करने के बावजूद मंत्रिमंडल में उन्हें पार्टी गुटों को प्रतिनिधित्व देने के लिए कुछ समझौते करने पड़े हैं। वह अपने अनुभव के आधार पर जानते हैं कि दूसरे देशों से आने वाले प्रशिक्षित, पेशेवर लोगों और विशेषज्ञों के आप्रवासन की सीमा बांधना आर्थिक विकास के लिए बाधक है, पर कंजर्वेटिव पार्टी का एक धड़ा आप्रवासन पसंद नहीं करता। लिज ट्रस की समर्थक रहीं गोवा मूल की सुएला ब्रावरमैन के आप्रवासन विरोध के कारण ही भारत और ब्रिटेन का मुक्त व्यापार समझौता टल गया था, फिर भी उन्हें दोबारा गृहमंत्री बनाया गया है।

ऋषि सुनक की दूसरी और शायद सबसे बड़ी चुनौती ब्रिटेन की आर्थिक साख को बहाल कर स्थिरता लाना है, ताकि पिछले कुछ हफ्तों के भीतर ही लगभग दोगुना हुई कर्ज के ब्याज की दरें सामान्य हो सकें। लिज ट्रस की कर्ज लेकर टैक्स घटाने की नीतियों की वजह से भी आम आदमी के कर्ज के ब्याज की दरें बढ़ी हैं। ये तभी नीचे आ सकती हैं, जब सुनक सरकार अपना बजट घाटा कम करे और कर्ज लेकर खर्च करना बंद करे, लेकिन महंगाई के दौर में सरकारी खर्च में कटौती करना मुश्किल होता है, क्योंकि स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, रेल और जहाजरानी से लेकर सचिवालयों तक हर कर्मचारी वेतन में महंगाई से अधिक बढ़ोतरी चाहता है और हड़ताल पर बैठ जाने की धमकी देता है। आर्थिक अनुमानों के हिसाब से ब्रिटेन को अपने खर्च में अच्छी-खासी कटौती करनी होगी। कटौती या फिर आमदनी में वृद्धि किए बिना आर्थिक साख बहाल नहीं हो सकेगी। आर्थिक साख बहाल हुए बिना न तो महंगाई पर काबू पाया जा सकेगा और न ही कर्ज के ब्याज की दरें नीचे आ सकेंगी।

तीसरी चुनौती अमेरिका और भारत जैसे बड़े व्यापारिक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करना है, ताकि यूरोपीय संघ से बाहर आने की वजह से हुई व्यापार हानि की भरपाई हो सके और आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़े। ब्रेक्जिट आंदोलन के समर्थकों ने सुनहरे सपने दिखाए थे कि यूरोपीय संघ से निकलते ही ब्रिटेन अपनी शर्तों पर व्यापार समझौते कर सकेगा, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था सिंगापुर की तरह फलने-फूलने लगेगी, पर ऐसा हुआ नहीं। नए समझौते भी नहीं हुए और यूरोपीय देशों के साथ होने वाला व्यापार भी मंदा पड़ने लगा। चौथी और सबसे बड़ी चुनौती कंजर्वेटिव पार्टी की गिरती लोकप्रियता को उबारना और उसे दो साल बाद होने वाले आम चुनाव में जीतने लायक बनाना है। इसके बिना न पार्टी एकजुट रह पाएगी और न प्रधानमंत्री सुनक की नीतियां कामयाब हो सकेंगी। केवल सांसदों द्वारा निर्विरोध चुने जाने के कारण सुनक के नेतृत्व की वैधता पर भी सवाल उठेंगे। पार्टी में उनके प्रतिद्वंद्वी और दुश्मन जड़ें काटने का कोई मौका नहीं गवाएंगे। ऐसी चुनौती भरी परिस्थिति में दो ही बातें हैं, जो ऋषि सुनक की ताकत साबित हो सकती हैं। पहली है समय से पहले चुनाव का भय। दूसरी है विकल्प का अभाव। कंजर्वेटिव पार्टी में इस समय ऐसा कोई नेता नहीं है जिसकी साख सुनक जैसी हो। इन दोनों कारणों से सुनक को सरकार चलाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि वह जो ताज पहन रहे हैं, वह कांटों का है, पर वह घबराते नहीं और उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। एक भारतवंशी के ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने से भारत और भारतीयों की साख का सिक्का जरूर जमा है, पर किसी विशेष आर्थिक या कूटनीतिक लाभ की आशा नहीं की जानी चाहिए। भारत की राजनीतिक पार्टियां चाहें तो यह सीख अवश्य ले सकती हैं कि पार्टियों के भीतर लोकतांत्रिक परंपरा कायम रखने से ही संकट की घड़ी में सही लोगों को चुना और भूलों को जल्दी सुधारा जा सकता है।

STORY टाइम

ज़िंदगी का पहला ख़त

✦ बबीता बेलखोड़े ✦

शादी के पंद्रह दिन बाद ही रूपा को इस बात का पता चल गया था कि उसके पति का पड़ोस की एक लड़की से संबंध है और घरवालों के दबाव में रमेश ने रूपा से शादी की थी. रूपा पर क्या बीती, वो हर संवेदनशील व्यक्ति महसूस कर सकता है. उसे याद आया अपना मायका जो 200 किमी दूर शहर में था. वहां पिता मजदूरी करते थे. भाई अनाज बाजार में एक दूकान में काम करता था.

एक बहन शादी के लायक हो चली थी और दूसरी 12 साल की थी. परिवार ने कर्ज लेकर यह शादी निपटाई थी. रूपा ने जहर का घूंट पी लिया और हथियार डाल दिए. पति से कहा, 'सुनिए जी, जो हुआ सो हुआ, पुरानी बातों को भूल जाइए.' लेकिन रमेश और उसकी महबूबा कदम पीछे लेने को राजी नहीं हुए. दोनों का पुराना इश्क फिर जाग उठा. इस बीच रूपा जब मायके आई तो परिवार के सामने सारा सच बता डाला, लेकिन साथ में यह भी कहा कि आप लोग मेरी चिंता मत करो, मैं सब संभाल लूंगी. बहनों को पढ़ाई पर ध्यान देने की बात कहकर आंखों में आंसू लिये रूपा ससुराल लौट गई. वहीं दूसरी ओर रमेश की महबूबा उसे रूपा को घर से निकालने को कहने लगी और इसकी पूरी प्लानिंग कर ली. दोनों ने मिलकर एक काल्पनिक लड़के के नाम से प्रेमपत्र लिखा जैसे रूपा का कोई पुराना आशिक लिख रहा हो और जाकर नजदीकी लेटर-बॉक्स में डाल दिया. वह चिट्ठी सीधे रूपा के ससुरजी के हाथ में पड़ी क्योंकि वो रिटायर्ड स्कूल मास्टर थे और बरामदे में ही दिन भर बैठे रहते. जब उन्होंने पत्र पढ़ा तो उनका माथा ठनका. उन्होंने बहू रूपा पर सीधे लांछन लगाना शुरू कर दिया. फिर क्या, दूसरा, तीसरा, चौथा और पांचवां पत्र भी आ गया. पति रमेश इन सब में शामिल था. वह चुप्पी साधे रहा. लेकिन ससुरजी को यह बात बर्दाश्त नहीं हुई. जबकि बेटा चरित्रहिन था, यह बात ससुरजी जानते थे लेकिन उसके मामले में उन्होंने कभी इतनी शीघ्रता नहीं दिखाई. ससुरजी ने सीधे सुबह 9 बजे की बस पकड़ी और रूपा के मायके आ धमके. बरसात का मौसम था. सारे काम-धंधे ठप थे, जिस कारण रूपा के पिता घर पर ही थे. ससुरजी सारे पत्र रूपा के माता-पिता के सामने रखते हुए उन्हें खरी-खोटी सुनाने लगे. बेचारा गरीब परिवार नई मुसीबत से घबरा गया. इस दौरान परिवार की मंझली और छोटी बेटी भी चेहरे पर तनाव के भाव लिये मां से चिपककर खड़ी थीं. समधीजी तो उलटे पांव लौट गए लेकिन मायके में बेटी के चरित्र पर लगे लांछन पर तर्क-वितर्क होने लगा. रूपा की मां का रो-रोकर बुरा हाल था. लेकिन इन सभी के बीच परिवार की छोटी बेटी, जो आठवीं कक्षा में पढ़ती थी, ने एक दृढ़ निश्चय किया और गलत काम करने वालों को उन्हीं के हथियार से मात देने की ठान ली. शायद ही इस उम्र की कोई लड़की यह सोचे कि आखिर ऐसे पत्र कौन लिख सकता है और उसे कैसे मात दी जाए. लेकिन इस परिवार की बेटी ने अपना दिमाग लगाया, वो छिपकर एक देशी पत्र खरीद लाई और रमेश की महबूबा का एक आशिक बनकर अपनी जिंदगी का पहला पत्र लिखा. लिखावट बदलने के लिए पत्र उल्टे हाथ से लिखा गया. उसमें लिखा- 'मैं आपकी बहू का कोई आशिक नहीं हूं, बल्कि आपकी बहू को बदनाम करवाने के लिए मुझसे ये काम करवाया जा रहा है. ये आपके बेटे और उसकी महबूबा की एक चाल है. मैं इसलिए पोल खोल रहा हूं क्योंकि उन्होंने मुझे जो रकम देनी तय की थी, वो दी नहीं!' साथ में एक जाली नाम और पता भी पत्र में डाल दिया और उसे चुपके से स्कूल के पास के लेटर-बॉक्स में डालकर बहन के ससुराल पोस्ट कर दिया. आखिर वही हुआ जो सोचा था. ससुरजी ने उस पत्र पर भी उतना ही विश्वास किया जितना पुराने पत्रों पर. बहू से माफी मांगी और बेटे को लताड़ा. रूपा के मायके जाकर माफी मांगी और खुद ही नये पत्र की कहानी सुनाने लगे. इस बीच पर्दे के पीछे खड़ी वो छोटी मंद-मंद मुस्कुरा रही थी, आखिर पत्र उल्टे हाथ से जो लिखा था. आज रूपा बहुत अच्छी पोस्ट पर काम कर रही है. समाज में उसकी प्रतिष्ठा है. रूपा का बेटा इंजीनियर है. पति को तो उसने कुछ समय बाद ही छोड़ दिया. वैसे भी चरित्रहीन आदमी के साथ कितने दिन निभाती. इसी साल बेटे की शादी धूमधाम से कराई. लेकिन जब फेरे हो रहे थे तो रूपा की आंखों में आंसू देख उसी छोटी बहन ने पूछा कि आंखों में आंसू क्यों हैं तो रूपा ने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि बहन को अपनी बाहों में भर लिया.

LIFESTYLE जोन

समय के साथ स्टाइल का एहसास

कलाई पर घड़ी पहनने का ट्रेंड नया नहीं है. लेकिन इन दिनों एक से बढ़कर एक डिजाइनर रिस्ट वॉचेज को कैरी करने का क्रेज बढ़ा है. मार्केट में इनकी लंबी रेंज अवेलेबल है. आप अपने गेटअप, पर्सनैलिटी और ओकेजन के अनुसार इनमें से कोई रिस्ट वॉच कैरी कर सकती हैं. इन्हें कैरी कर आप ज्यादा स्टाइलिश नजर आती हैं.

स्मार्ट वॉच

अगर आप मल्टीपर्पज वॉच कैरी करना चाहती हैं तो स्मार्ट वॉच आपको जरूर पसंद आएंगी. ऐसी वॉचेज न सिर्फ टाइम शो करती हैं, बल्कि इसके जरिए आप अपने हेल्थ स्टेटस को भी ट्रैक कर सकती हैं, जैसे हार्ट रेट का पता लगा सकती हैं, पूरे दिन में कितने स्टेप्स वॉक की, यह जान सकती हैं. इस वॉच में और भी कई स्मार्ट फीचर होते हैं, जो काफी यूजफुल होते हैं. आप अपनी पसंद के अनुसार कोई भी स्मार्ट वॉच अपने लिए चुन सकती हैं. इनमें ब्लैक, पिंक, पर्पल जैसे कलर्स के स्ट्रैप्स मिल जाएंगे. ये अलग-अलग रेंज में मिल सकते हैं.

ओकेजनली पहनें स्ट्रैप वॉचेज

एक जमाना था जब प्लेन स्ट्रैप में ही ज्यादातर लोग रिस्ट वॉचेज पहनते थे. लेकिन अब आपको स्ट्रैप्स में कई वैरायटी, कलर्स और पैटर्न मिल जाएंगे. इनमें से आप अपने लिए ओकेजन के अकॉर्डिंग चूज कर सकती हैं. जहां तक स्ट्रैप के ब्रॉड या स्लीक होने की बात है, तो इसमें भी ऑप्शंस मिल जाएंगे. अगर आप फॉर्मल कैरी कर रही हैं, तो ब्रॉड स्ट्रैप वाली वॉच पहन सकती हैं. कैजुअल वियर के साथ आप मनचाही स्ट्रैप वाली वॉचेज पहन सकती हैं. आजकल ब्रॉड स्ट्रैप की वॉचेज यंग और मिड-एज महिलाएं खूब पसंद कर रही हैं.

ट्रेडिशनल वियर के साथ स्टोन पैटर्न

स्टोन वॉचेज खासकर पार्टी, मैरिज और नाइट फंक्शंस में कैरी की जाती हैं. इसे कैरी करने पर आपको बैंगल्स लुक मिलता है. इस वॉच को आप इंडियन ट्रेडिशनल वियर के साथ पेयर कर पहन सकती हैं. इसमें आप गॉर्जियस नजर आती हैं. अपनी ज्वाइस के अनुसार आप सिंगल स्टोन या मल्टी स्टोन वाली वॉच ट्राई कर सकती हैं. आप चाहें तो इसे अपनी ड्रेस के साथ मैचिंग करके भी ले सकती हैं.

टीनएजर्स के लिए चेन

चेन वॉचेज कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स पर ज्यादा सूट करती हैं. इसे कैरी कर आप स्टाइलिश लुक पा सकती हैं. चेन वॉचेस में पतली चेन, ब्रॉड चेन, डिजाइनर चेन, स्टोन वाली चेन जैसे कई पैटर्न आपको मिल जाएंगे. चेन में भी ब्रास स्ट्रैप, स्टील स्ट्रैप, ब्राउन डायल चेन स्ट्रैप को चूज कर सकती हैं. जहां तक कलर की बात है तो इन दिनों रोज कलर और कॉपर कलर की चेन वॉचेज महिलाओं को ज्यादा भा रही हैं. इसे ऑफिस, पार्टी या ट्रैवलिंग के दौरान कैरी कर अपनी पर्सनालिटी में चार चांद लगा सकती हैं.

कैजुअल्स के साथ टीमअप करें डेनिम

अगर आप ट्रेडिशनल से कुछ हटकर ट्राई करना चाहती हैं, तो डेनिम वॉच अच्छा ऑप्शन है. आजकल ये वॉचेस भी खूब ट्रेंड में हैं. इसमें महिलाओं के लिए काफी वैराइटी मौजूद है. इसे आप कैजुअल्स के साथ टीमअप कर सकती हैं. इसमें पिंक, ब्लू और लेमन कलर ट्रेंड में इन हैं.

KITCHEN टिप्स

- अक्सर कई लोग सब्जी को स्वादिष्ट बनाने के लिए उसमें दही डाल देते हैं. मगर, ध्यान रहे अगर आप सब्जी में दही मिला रहे हैं तो सब्जी में उबाल आने के बाद ही नमक डालें. उबाल आने के पहले नमक डालने से दही फट जाती है.
- कुछ लोग रायता बनाते समय सभी सामाग्रियों के साथ ही नमक भी मिला देते हैं, ऐसा करने से रायता खट्टा हो जाता है. इसलिए रायते में पहले से नमक मिलाने से बचें और सर्व करते समय ही इसमें नमक डालें.
- इडली को नर्म बनाने के लिए इडली बैटर में जरा सा साबूदाना और पिसी हुई उड़द की दाल मिलाएं.

BEAUTY टिप्स

- चेहरे, हाथों और गले का रंग निखारने के लिए आप चेहरे पर नींबू का रस आधे घंटे के लिए लगाएं और बाद में ठंडे पानी से धो दें. चेहरे को धोने के बाद मॉइश्चराइजर लगाना न भूलें क्योंकि नींबू की प्रकृति रूखेपन वाली होती है. आप चाहें तो दही का प्रयोग भी कर सकती हैं. साथ ही टमाटर का रस, आलू का रस भी त्वचा के रंग को साफ करने में मददगार होता है.
- ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के लिए चेहरे पर दही-सूजी का पैक लगाएं. पैक लगाने से पहले हलके गरम पानी में कॉटन डुबोकर नाक पर रखें. इससे ब्लैकहेड्स निकलने में आसानी होगी.
- कई बार हारमोनल बदलाव के कारण पिंपल्स की समस्या हो जाती है. साथ ही कई लोगों की त्वचा ऑइली होती है और साफ सफाई के अभाव में पिंपल्स होने लगते हैं. पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए नीमयुक्त फेसवाश का प्रयोग करें. नीम एंटीबैक्टीरियल होता है, इसलिए पिंपल्स के विकास को रोकने में मदद करता है.

TODAY'S रेसिपी

मुगलई परांठा

सामग्री - 3 कप गेंहू का आटा, 1 कप मैदा, 2 टेबल स्पून घी, 2 कप पानी, (परांठा बेलने के लिए) सूखा आटा, तलने के लिए घी, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप प्याज बारीक कटा हुआ, 4 हरी मिर्च बारीक कटा हुआ, 4 टेबल स्पून हरा धनिया बारीक कटा हुआ.

विधि - गेंहू का आटा और मैदे को मिला लें और इसमें दो बड़े चम्मच घी डालकर मिक्स कर लें. इसे नरम गूंथ लें और 2 से 3 घंटे के लिए एक साइड रख दें. आटे को चार लोइयों में बांट दें, इसे ढककर 15 मिनट के लिए रख दें. तवे को गर्म कर लें, इसके बाद लोई गोलाकार में बेल लें. अगर आटा चिपके तो इस पर सूखा आटा छिड़क लें. आंच को तेज रखें, तवे पर रोटी डालें, इस पर अब प्याज, नमक, हरी मिर्च और छोटा चम्मच हरा धनिया डालें. आंच को मीडियम करें. परांठे को चारों तरफ से फोल्ड कर दें जिससे वह चौकोर आकार का बन जाए. इस पर घी लगाकर इसे अच्छे से सेकें. जब यह अंदर से पूरी तरह पक जाए तो इस इसके ऊपरी हिस्से पर भी घी लगाकर गोल्डन ब्राउन होने तक सेकें. गर्मागर्म परांठे को दही या चटनी के साथ सर्व करें.

व्रत के आलू

सामग्री- आलू- 2 कप उबले हुए, तेल- 1 बड़ा चम्मच, जीरा- 1 चम्मच, अदरक- 1 1/2 चम्मच पिसा हुआ, हरी मिर्च- 1 चम्मच पिसी हुई, पानी- 1 कप या जरूरत के अनुसार, नमक या सेंधा नमक- 2 चम्मच या स्वादानुसार, चीनी-1 चम्मच, नींबू का रस- 2 चम्मच, हरी धनिया पत्ती-1 बड़ा चम्मच (सजावट के लिये).

विधि- आलू को उबालकर ठंडा करें और उसकी परत निकाल लें. आलू को मध्यम आकार में काट लें. कुछ आलू को ग्रेवी बनाने के लिए कद्दूकस कर लें. हरी मिर्च और अदरक को पीस लें. हरा धनिया को बारीक काट लें. एक कड़ाही में 1 चम्मच तेल गरम करें. तेल गरम होने पर उसमे जीरा डाल दें. जीरा सुनहरा होने तक भून लें. अब उसमें अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट मिला लें. अदरक मिर्च को 1 मिनट तक सेंक लें जिससे उसका कच्चापन चला जाए. अब काटे हुए आलू को इसमें मिला दें. आलू को अच्छे से मिलाकर उसमें 1 कप पानी डालें और सब्जी को 2 से 3 मिनट तक पकने दें. ग्रेवी में कद्दूकस किए हुए आलू भी मिला दें और फिर से 1 मिनट तक पका लें. इस व्रत के आलू की सब्जी में आपके स्वादानुसार नमक मिलाएं. आप चाहे तो यहां सेंधा नमक भी इस्तेमाल कर सकते हैं. अब सब्जी में 1 चम्मच चीनी मिलाएं और आधा नींबू का रस मिलाएं. सब्जी को 1 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें. व्रत की आलू की सब्जी तैयार है. परोसने से पहले उसको हरा धनिया और भुने हुए जीरा पाउडर से सजाएं. इस व्रत के आलू की सब्जी को आप उपवास के दिन राजगिरा पराठा या राजगिरा पूरी के साथ परोसें.

मूंगफली की सब्जी

सामग्री- मूंगफली 3/4 कटोरी, तेल- 2 बड़े चम्मच, टमाटर 1, प्याज 1, लहसुन 5 कलियां, हरी मिर्च 2-3, सूखी लाल मिर्च- 1, गरम मसाला- आधा छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- आधा छोटा चम्मच, धनिया पाउडर- 2 चम्मच, सौंफ- 1 छोटा चम्मच, जीरा- 1 छोटा चम्मच, मस्टर्ड सीड्स- 1 चम्मच, कटी हुई धनिया पत्ती, करी पत्ता, 1 क्यूब चीज.

विधि- मूंगफली की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले आप मूंगफली को साफ करके कुकर में तीन से चार सिटी देकर उबाल लीजिए. भुनी हुई मूंगफली को दरदरा पीस लें. ध्यान रखें कि आप इसका महीन पाउडर न बनाएं. फिर प्याज, हरी मिर्च और लहसुन का पेस्ट बना लें, और टमाटर की भी प्यूरी बना लें. एक बाउल में सभी मसाले (नमक, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला) मिला लें. अब एक पैन लें, उसमें तेल डालें और गरम करें. साथ में मस्टर्ड सी*, जीरा और सौंफ डालकर चलाएं. अब आप करी पत्ता, लाल मिर्च डालें और 15 सेकंड के लिए भूनें. इसके बाद आप प्याज, लहसुन, हरी मिर्च का पेस्ट डालें और 2-3 मिनट तक भूनें. अब इसमें टमाटर का पेस्ट डालें, अच्छी तरह मिलाएं और 2 मिनट तक भूनें. सारे मसाले अच्छी तरह मिला लें व 1 कटोरी पानी डालें और उबाल आने दें. अब उबली हुई मूंगफली डालकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए रख दीजिए. 2 मिनट बाद आंच बंद कर दें और चीज क्यूब को कद्दूकस करें. इसके बाद हरा धनिया से सजाएं. स्वादिष्ट मूंगफली की सब्जी खाने के लिए तैयार है. आप इसे रोटी, लच्छा परांठा या नान के साथ सर्व कर सकते हैं.

हॉर्मोनल बदलाव में योग कारगर

महिलाओं के अंदर हो रहे सभी तरह के शारीरिक, मानसिक, हॉर्मोनल बदलाव में योग सबसे कारगर है. योग न सिर्फ किशोरावस्था में, बल्कि उम्र के हर पड़ाव में मददगार साबित हो रहा है. महिलाओं की शारीरिक संरचना, उनके रोग और तकलीफें पुरुषों से अलग होती हैं. ऐसे में महिलाओं के लिए कुछ चुनिंदा आसन हैं, जिन्हें आसानी से तकिये या फिर दीवार के सहारे घर में किया जा सकता है.

- **बालासन** - यह मन-मस्तिष्क में तुरंत शांति का अनुभव कराता है. खासकर हॉर्मोनल बदलाव के वक़्त यह आपकी मानसिक स्थिति को स्थिरता प्रदान करता है.
- **अधोमुख श्वान आसन**- यह पूरे शरीर का फैलाव कर स्फूर्ति देता है. शरीर के ऊपरी हिस्से, कंधे और हाथों को मजबूती देता है. रक्त का प्रवाह सिर की तरफ रहने से मन को शांति और तनाव की स्थिति में तुरंत आराम मिलता है.
- **सेतुबंधासन**- पेल्विक और कोर को मजबूती देने वाला यह आसन कई मामलों में फायदेमंद है. गर्भधारण करने वाली महिलाओं के लिए, अनियमित पीरियड या पेनफुल पीरियड में असरदार होने के साथ सभी जरूरी अंगों में प्राणशक्ति का संचार करता है.
- **सुप्त बद्धकोणासन** - यह अनियमित या पेनफुल पीरियड में लाभ पहुंचाता है. डिलीवरी (प्रसव) के दौरान की शारीरिक तैयारी कराता है. इसे करने से फेफड़े और दिल को मजबूती मिलती है.
- **उपविष्ट कोणासन**- उपविष्ट कोणासन पॉजिटिव ऊर्जा और सृजनात्मकता को बढ़ाता है. पीरियड से संबंधित अनियमितता और इन्फर्टिलिटी से छुटकारे में सहयोग देता है.

विपरीत करणी

दीवार के सहारे पांव रखकर किए जाने वाले इस सरल आसन के अनगिनत लाभ हैं. यह आसन पांव, घुटने से संबंधित दर्द में शीघ्र राहत देता है. यूरीन संबंधित समस्या में फायदा पहुंचाता है. इसके साथ ही तन-मन को शांत कर नई ऊर्जा से भरता है.

FITNESS जोन

प्राणायाम

आसन के बाद प्राणायाम का अपना खास लाभ है. खासतौर पर जितना फोकस स्लो डीप ब्रीदिंग पर होगा, उतना ही वो तन-मन को बेहतर रखेगा. प्राणायाम न सिर्फ श्वास और जीवन के स्तर को बढ़ाता है, बल्कि तुरंत बिगड़े मूड को बेहतर करने में कारगर होता है.

एक नज़र

मालवीय नगर में चोरी, विधायक कालीचरण सराफ ने दी चेतावनी

चोर नहीं पकड़े तो करेंगे थाने का घेराव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। शहर में मंगलवार रात मालवीय नगर के सेक्टर 2 स्थित श्री बालाजी मेडिकल पर शटर के ताले तोड़कर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद विधायक कालीचरण सराफ मौके पर पहुंचे। सराफ ने मौके पर ही मालवीय नगर थाना इंचार्ज से एवं डीसीपी ईस्ट राजीव प्रचार से बात करके तुरंत वारदात में शामिल चोरों को पकड़ने एवं चोरी हुए माल एवं रुपए की बरामदगी के निर्देश दिए। सराफ ने बताया कि पहले भी निगम मार्केट सेक्टर 1 में दूध की डेयरी पर एवं सेक्टर 1/ 1341 में माइ चॉइस गिफ्ट एंड टॉयज की दुकान पर चोरी हो चुकी है। लगातार हो रही चोरी की वारदात से व्यापारी परेशान है। सराफ ने डीसीपी को चेतावनी देते हुए कहा कि 10 दिन के अंदर चोरों को नहीं पकड़ा गया तो मालवीय नगर थाने का घेराव किया जाएगा।

सीसीटीवी लगाने की घोषणा

स्थानीय व्यापारियों और लोगों ने विधायक से सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की। इस दौरान विधायक सराफ ने स्थानीय व्यापारियों की मांग पर मार्केट में विधायक कोष से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की घोषणा की। इस दौरान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, व्यापार मंडल के अध्यक्ष सेवक राम, मालवीय नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

पटाखों की आतिशबाजी से 102 लोग हुए जखमी, झुलसे मरीज़ पहुंचे एसएमएस

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दीपावली के मौके पर जयपुर में दो दिन जमकर आतिशबाजी हुई, लेकिन आतिशबाजी के दौरान लापरवाही के चलते लोग दुर्घटनाओं के शिकार भी हुए। दो दिन में 102 मरीज झुलसे हुए एसएमएस अस्पताल पहुंचे। इसमें 10 गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया। दीपावली के मौके पर एसएमएस अस्पताल में दुर्घटनाओं को देखते हुए पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि दीपावली पर एसएमएस अस्पताल में सबसे अधिक पटाखों से जलने वाले मरीज आए। इसमें स्किन बर्न

स्किन बर्न के सबसे अधिक केस

आतिशबाजी के चलते स्किन बर्न की शिकायत अधिक रही। एसएमएस अस्पताल में पहले दिन 64 मरीज इमरजेंसी में पहुंचे। इसमें स्किन बर्न के 40 मरीज थे, जबकि आंखों की समस्या के 24 मरीज पहुंचे। पहले दिन प्लास्टिक सर्जरी विभाग में एक गंभीर मरीज और आई विभाग में 3 गंभीर मरीजों को भर्ती किया गया। वहीं दूसरे दिन 38 मरीज अस्पताल पहुंचे। इनमे आंखों की समस्या के 12 और स्किन बर्न के 24 मरीज पहुंचे। इनमे प्लास्टिक सर्जरी में 5 और आई में एक गंभीर मरीज भर्ती हुए। अन्य मरीजों को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया।

अस्थमा के मरीज बढ़े

दीपावली पर प्रदूषण बढ़ने से सांस की बीमरियों से पीड़ित मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। एसएमएस अस्पताल की ओपीडी में सांस की समस्या के 30 फीसदी अधिक मरीज पहुंचे। वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि मौसम परिवर्तन के साथ ही सांस की बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। इन दिनों ठंड और दीपावली पर हुई आतिशबाजी से हुए प्रदूषण से अस्थमा के मरीजों को प्रॉब्लम अधिक हुई है।

राउंड द क्लॉक चिकित्सक तैनात

दिवाली के मौके पर हर वर्ष आतिशबाजी से होने वाली अप्रिय घटनाएं सामने आती है। इसमें आग लगने और पटाखों से जलने के मामले सबसे अधिक देखने को मिलते हैं। इसी को देखते हुए हर वर्ष की तरह इस बार भी जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में आतिशबाजी के दौरान होने वाली किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए विशेष इंतजाम किए गए।

कांस्टेबल भर्ती- 2021 का फिजिकल टेस्ट आज से

23499 अभ्यर्थी होंगे शामिल बायोमेट्रिक से मिलेगा प्रवेश

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2021 के 4588 पदों एवं गृह रक्षा विभाग के 141 पदों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा 28 अक्टूबर से 6 नवम्बर तक होगी। भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड की एडीजी बिनीता ठाकुर ने बताया कि प्रदेश में 8 स्थानों पर यह परीक्षा कराई जाएगी। इसमें जयपुर में कालवाड़ स्थित बियानी कॉलेज, आरपीए एवं विद्याधर नगर स्टेडियम में होगी। अजमेर के गुलाब बाड़ी रोड में जीसी फर्स्ट सीआरपीएफ हरिशचंद्र स्टेडियम, बीकानेर के डॉ. करणी सिंह स्टेडियम, जोधपुर के मंडोर रोड स्थित आरपीटीसी, कोटा के शिवपुरा स्थित सेकेंड बटालियन आरएसी के परेड ग्राउंड और उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम में 1-1 स्थान पर टेस्ट होगा। टेस्ट से पहले अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक परीक्षण कराया जाएगा।

आरपीए में 3399 का फिजिकल

आरपीए, जयपुर में सीआईडी सीबी, सीआईडी आईबी, पुलिस दूरसंचार व होमगार्ड के कॉन्स्टेबल, बिगुलर और ड्रम के 3399 उम्मीदवारों एवं विद्याधर नगर स्टेडियम में कमिश्नरेट के 4090 उम्मीदवारों का टेस्ट होगा। बियानी कॉलेज ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट कालवाड़ में जयपुर ग्रामीण, आरएसी की दूसरी, तीसरी, चौथी, 5वीं, 7वीं, 8वीं, 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं, 13वीं और 14वीं बटालियन, एमबीसी बांसवाड़ा व खेरवाड़ा तथा हाड़ी रानी महिला बटालियन व महाराणा प्रताप बटालियन के अभ्यर्थियों टेस्ट होगा।

चार उप स्वास्थ्य केन्द्र किए पीएचसी में क्रमोन्नत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धौलपुर जिले के गौलारी, अजमेर जिले के खण्डाच, हनुमानगढ़ जिले के न्यौलखी तथा जयपुर जिले के नीमला गांव में स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार प्रत्येक नए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सा अधिकारी, नर्स श्रेणी द्वितीय, महिला स्वास्थ्य दर्शिका, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, वार्ड बॉय एवं सफाई कर्मचारी सहित कुल 9 अतिरिक्त पदों का सृजन होगा। गहलोत के इस निर्णय से लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

प्रदूषण: दीपावली पर जमकर आतिशबाज़ी का असर

पटाखों से हवा में घुला ज़हर पॉल्यूशन स्तर हुआ दोगुना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में दीपावाली पर तीन दिन तक हुई जमकर आतिशबाजी के चलते प्रदेश के कई शहरों की आबोहवा में जहर घुल गया है। प्रदूषण का स्तर आतिशबाजी से बढ़कर दोगुना हो गया। इसके चलते तापमान में भी चार से पांच डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

दीपावली के दिन अधिक आतिशबाजी के चलते प्रदेश में जोधपुर सबसे अधिक प्रदूषित शहर रहा, वहीं राजधानी जयपुर, अजमेर, भिवाड़ी, कोटा, पाली, अलवर और उदयपुर में भी प्रदूषण का स्तर सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर सहित जयपुर, अलवर, कोटा में तापमान में बढ़ोतरी हुई है। प्रदूषण अधिक होने से जयपुर और जोधपुर में सुबह के समय आसमान में धुएं का गुबार छाया रहा। हालांकि मौसम साफ रहने के कारण बुधवार को प्रदूषण का स्तर कम हुआ।

60 करोड़ के पटाखे जले

दो वर्ष बाद दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। दीपावली पर पटाखों का कारोबार करीब 60 करोड़ का हुआ है। दो दिन जयपुर सहित प्रदेश भर में जमकर आतिशबाजी हुई है। इससे प्रदूषण का स्तर बढ़ गया। सबसे अधिक प्रदूषण का स्तर जोधपुर में देखा गया। जहां मंगलवार सुबह एयर क्वालिटी इंडेक्स 313 दर्ज किया गया। जिसके बाद पाली में 262 और जयपुर में 252 दर्ज किया गया।

जोधपुर और पाली के लोगों ने ली राहत की सांस

दीपावली के अगले दिन पटाखों से प्रदेश के शहरों की हवा प्रदूषित हो गई थी, जो अगले दिन यानी आज इसमें काफी सुधार आया। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से जारी रिपोर्ट देखें तो जोधपुर में कल जो एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल 300 के पार था, वह बुधवार को गिरकर 150 पर पहुंच गया। इसी तरह पाली में जो एक्यूआई लेवल 262 पर पहुंच गया था, वहां बुधवार को 100 से भी नीचे चला गया और वापस ग्रीन जोन में आ गया।

प्रमुख शहरों का प्रदूषण स्तर

शहर	एक्यूआई (25 अक्टूबर)	एक्यूआई (26 अक्टूबर)
अजमेर	225	162
अलवर	141	83
भिवाड़ी	218	148
जयपुर	257	241
जोधपुर	313	150
कोटा	238	106
पाली	262	75
उदयपुर	196	107

जयपुर में स्थिति खराब

जयपुर में प्रदूषण के लेवल में कोई खास बदलाव नहीं आया है। जयपुर में कल भले ही आतिशबाजी कम हुई हो, लेकिन , क्यूआई लेवल बुधवार को भी 241 रहा, जो कल की तुलना में मामूली कम है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट के आसपास प्रदूषण का लेवल 222 और जबकि शास्त्री नगर, विद्याधर नगर के आसपास ये 133 पर दर्ज हुआ। हालांकि गुरुवार की रिपोर्ट में हल्की राहत मिल सकती है।

बच्चों ने रोबोट प्रोजेक्ट बनाए, उनको नाटक का हिस्सा भी बनाया

रोबोट जंगल में रहा, बिछड़ा तो जानवरों के छलके आँसू

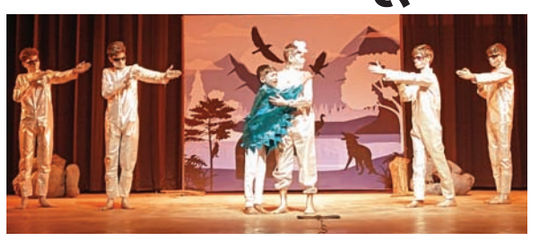

हिलव्यू समाचार

जयपुर। रोबोटिक प्रोजेक्ट बनाते हुए वन्यजीवों पर आधारित ज्ञानवर्धक खेल खेले गए। ऐसे ही इंडियन वुमन इम्पैक्ट के बच्चों ने विश्व वन्यजीव सप्ताह के दौरान अनेकों गतिविधियों का आयोजन किया। इससे आम जन को वन्यजीवों का महत्व समझाया गया। रविन्द्र मन्च पर खेले नाटको में रोबोटिक प्रोजेक्ट खास रहे। नाटक सका निर्देशन आयुषी दीक्षित ने किया। संगीत केशव तिवारी, राहुल बैरवा लाइट साउंड चंदन कुमार जांगिड़ मेकअप असलम का रहा।

रोबोट की कहानी

नाटक एक रोबोट रोज की कहानी है, जो जंगल में एक साल तक रही। रोबोट भला जंगल में कैसे रह सकता है? जंगल के जानवरों के साथ कैसे वो उस जिंदगी का हिस्सा बन गई, कैसे सुख दुख बाटा और जब जाने का दिन आया तो जंगल के परिवार ने क्या किया? यही सब है नाटक में दिखाया गया। नाटक में भाग लेने वाले बच्चों ने रोबोटिक्स डिपार्टमेंट के साथ मिलकर कुछ रोबोट्स बनाएं हैं। इसके लिए दिन-रात मेहनत करके नन्हे कलाकारों ने विज्ञान को सीखा और फिर नाटक बनाया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

आयुर्वेद के नवाचार योग और जुम्बा से जल्द मिलेगा लाभ

जयपुर। योग और जुम्बा के संयोग से स्वास्थ्य रक्षण में अधिक जल्दी लाभ मिलता है। इसी संकल्प के अनुसार राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यकम आयोजित किए गए। जन जागरूकता के लिए प्रभात रैली का भी आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में स्वास्थ्य रक्षण के विभिन्न कार्यक्रम सुबह से ही शुरू हो गए। इसके तहत सुबह 6 बजे जुम्बा नृत्य का आयोजन किया गया। जुम्बा नृत्य में संस्थान के सभी अध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रों ने भाग लिया। उसके बाद संस्थान से हवामहल तक आयुर्वेद जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में संस्थान के छात्रों ने आयुर्वेद सबंधित विभिन्न विषयों पर स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विभिन्न उपायों भरे नारे लगाए। इसके साथ ही इन छात्रों के हाथों में पोस्टर भी थे, जिन पर सुबह से रात तक आचार-विचार और व्यवहार के संतुलन के साथ पौष्टिक खान पान से संबंधित सीख लिखी थी। इन पोस्टरों के माध्यम से लोगों में आयुर्वेद की स्वास्थ्य रक्षण में उपयोगिता का प्रचार एवं प्रसार के बारे में भी लिखा था। दिनभर चले कार्यक्रमों में दोपहर एक बजे एक परिषद का भी आयोजन किया गया, जिसमें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान एवं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय की ओर से किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई।

बेरोजगारों का सत्याग्रह

गुजरात में काली दिवाली मना सरकार के ख़िलाफ़ जताया आक्रोश

■ 20 सूत्री मांगों के लिए गुजरात में डटे ■ विभिन्न रिक्त पदों पर जल्द भर्ती की मांग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गुजरात विधानसभा चुनावों से पहले पिछले 25 दिन से राजस्थान के बेरोजगार युवा अपनी 20 सूत्री मांगों को लेकर सत्याग्रह कर रहे हैं। इसके लिए बेरोजगार संघ की ओर से गुजरात में धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। बेरोजगारों ने गुजरात में काली दीवाली मनाकर सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया। वहीं अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गुजरात दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा। इससे पहले उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी बेरोजगारों ने करीब एक माह तक आंदोलन किया था।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत बीजेपी पर असंवेदनशील होने का आरोप लगाते हैं, लेकिन राजस्थान के युवा 25 दिन से गुजरात में संघर्षरत हैं और परेशान हो रहे हैं। बेरोजगारों का आरोप है कि 25 दिन बाद भी सरकार के किसी मंत्री या अधिकारी ने हमसे बातचीत नहीं की है।

अधिकारियों ने किए थे लिखित समझौते

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि देश के किसान जब सड़कों पर थे, तब मुख्यमंत्री गहलोत मोदी सरकार पर असंवेदनशील होने के आरोप लगाते थे। गहलोत ने कहा था कि सरकारों को जिद नहीं करनी चाहिए। यादव ने बताया कि सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों ने हमसे लिखित समझौते भी किए थे। इसके बाद भी हमारी जायज मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा है।

मानी OBC सर्टिफिकेट की मांग

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के बेरोजगारों ने 21 सूत्री मांगों को लेकर गांधी जयंती के मौके पर गुजरात में पैदल मार्च की शुरुआत की थी। सरकार ने ओबीसी सर्टिफिकेट की मांग को पूरा कर दिया, इसके बाद अब 20 सूत्री मांगों को लेकर बेरोजगारों का सत्याग्रह जारी है।

फायर फाइटिंग आग बुझाओ, भविष्य चमकाओ

अक्सर कहा जाता है कि आग से मत खेलो, जल जाओगे. लेकिन आग से खेलना करिअर के लिए ठंडक जरूर दे सकता है.

इस बात का दावा तो कोई नहीं कर सकता कि आग लगेगी या नहीं. आग नहीं लगी तो कोई संकट नहीं लेकिन लग गई तो उसे बुझाने के लिए ऐसा आदमी या ऐसी टीम चाहिए जो आग की किस्म, आग लगने के कारण, आग बुझाने के तरीके, आग बुझाने के सामान और आग में घिरे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के हुनर की जानकारी रखता हो. जाहिर है यह ऐसी जानकारी नहीं है जिसे यूं ही पूछकर या पढ़कर जान लिया जाए. इसकी पढ़ाई भी होती है और इसका प्रशिक्षण भी दिया जाता है. ऐसे में जो लोग चाहते हैं आग से खेलते हुए करिअर की बुलंदी तक पहुंचना, वे डिप्लोमा से लेकर बीए (फायर) करके विभिन्न पदों तक पहुंच सकते हैं.

▮ **लीडिंग फायरमैन** – फायरमैन बनने के बाद विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लीडिंग फायरमैन बना जा सकता है. फायरमैन ही वह व्यक्ति होता है जो सीधे-सीधे आग से जूझता है. फायरमैन की टीम हर फायर स्टेशन में तैनात होती है.

▮ **स्टेशन ऑफिसर** – किसी भी फायर स्टेशन का प्रमुख स्टेशन ऑफिसर होता है जो न सिर्फ फायर स्टेशन की टीम को लीड करता है, बल्कि इस बात की पूरी जानकारी रखता है कि उसकी जिम्मेदारी के दायरे में आने वाले इलाके में किस तरह की इमारते हैं, फैक्ट्रियां हैं, रिहायशी इलाका है जहां आग लग सकती है.

▮ **असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर** – पूरे राज्य को अलग-अलग डिविजनों में बांटा जाता है और हर डिविजन की जिम्मेदारी असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर की होती है जो कार्य और इलाके के फैलाव के हिसाब से कई हो सकते हैं. इलाके में बनने वाली इमारतों में आग बुझाने के इंतजामात सही हैं या नहीं, यह देखने-समझने की जिम्मेदारी इन्हीं की होती है.

▮ **डिविजनल ऑफिसर** – डिविजनल ऑफिसर की जिम्मेदारी भी वही होती है जो असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर की होती है और 3 असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर पर एक डिविजनल ऑफिसर होता है.

▮ **डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर** – पूरे फायर डिपार्टमेंट के समन्वय, कार्य, क्षेत्र विभाजन व अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ यह सुनिश्चित करना कि पूरा फायर डिपार्टमेंट हर परिस्थिति से निपटने के लिए सक्षम है, डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर जैसा अधिकारी ही देखता है.

▮ **चीफ फायर ऑफिसर** – पूरे फायर डिपार्टमेंट का हेड चीफ फायर ऑफिसर होता है जिसकी निगरानी, निर्देश, समन्वय और प्रेरणा से विभाग चलता है. पूरे राज्य में आग लगने की घटनाएं कम से कम हों और आग लगने पर उससे किस तरह पूरी तैयारी के साथ निपटना है, चीफ फायर ऑफिसर की लीडरशिप तय करती हैं.

अवसरों की भरमार

इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं. पहले सिर्फ महानगरों में फायर स्टेशन होते थे, आज हर जिले में फायर स्टेशन हैं. इसके अलावा आज हर सरकारी और गैरसरकारी दफ्तरों में एक फायर इंजीनियर की नियुक्ति अनिवार्य कर दी गई है.

डिमांड

अग्निशमन विभाग के अलावा आर्किटेक्चर और बिल्डिंग निर्माण, इंश्योरेंस एसेसमेंट, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, रिफाइनरी, गैस फैक्ट्री, निर्माण उद्योग, प्लास्टिक, एलपीजी तथा केमिकल्स प्लांट, बहुमंजिली इमारतों व एयरपोर्ट हर जगह इनकी खासी डिमांड है.

शैक्षणिक योग्यता

इस फील्ड के लिए जितनी जरूरत डिग्री की है, उससे ज्यादा जरूरत कुछ व्यक्तिगत योग्यताओं की भी है. साहस, धैर्य के साथ लीडरशिप क्वालिटी, क्विक डिसीजन लेने की क्षमता का होना जरूरी है, ताकि किसी भी बड़ी दुर्घटना को कंट्रोल कर सके. फिर भी डिप्लोमा या डिग्री में दाखिले के लिए 12वीं पास होना अनिवार्य है. कुछ पदों के लिए बीई (फायर) की डिग्री अनिवार्य है. इसमें प्रवेश के लिए ऑल इंडिया एंट्रेंस एक्जाम होता है जिसमें शामिल होने के लिए केमिस्ट्री के साथ फिजिक्स या गणित विषय में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी होता है.

कोर्स

डिप्लोमा इन फायर फाइटिंग, पीजी डिप्लोमा इन फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग, बीएससी इन फायर इंजीनियरिंग, फायर टेक्नालॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट, इंडस्ट्रियल सेफ्टी सुपरवाइजर, रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग जैसे कोर्स शामिल हैं. जिसकी अवधि 6 महीने से लेकर 3 साल है. कोर्स के दौरान आग बुझाने की तकनीकी जानकारी से लेकर जान-माल के बचाव के साइंटिफिक फॉर्मूले की जानकारी दी जाती है, जैसे आग पर काबू पाने, खतरों से खेलने, उपकरणों का प्रयोग कैसे किया जाए आदि के गुण सिखाए जाते हैं.

प्रमुख संस्थान

▮ दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग, नई दिल्ली
▮ इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली
▮ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर, डिजास्टर एंड एन्वायरमेंट मैनेजेंट, नागपुर

वैकल्पिक चिकित्सा एक्यूप्रेशर पद्धति

बिगड़ी लाइफस्टाइल ने युवावस्था में ही कई बीमारियों को जन्म दे दिया है, जिसे ठीक करने लोग एलोपैथिक दवाओं की ओर रुख करते हैं. वैकल्पिक चिकित्सा के तौर पर इन दिनों लोग एक्यूप्रेशर थेरेपी की ओर आकर्षित हो रहे हैं. दवाओं से दूरी और इस थेरेपी के प्रति बढ़ता लगाव करिअर की संभावनाएं तेजी से बढ़ा रहा है. इसमें करिअर अपॉर्च्युनिटी ढूंढ़ने के लिए युवाओं में लगन, सेवाभाव और पेशेंस की आवश्यकता होती है क्योंकि एक्यूप्रेशर के माध्यम से किसी भी बीमारी को ठीक करने में समय लगता है, लेकिन इतना जरूर है कि यह एक कारगर पद्धति है.

मेडिकल में हर बीमारी का इलाज नहीं है. दवाओं से बीमारियां दब तो जाती हैं, लेकिन जड़ से खत्म नहीं होतीं. एक्यूप्रेशर पद्धति से बीमारी जड़ से खत्म होती है. यही कारण है कि लोगों का रुझान इस ओर बढ़ा है. यहां तक कि युवाओं का विश्वास भी इस ओर बढ़ रहा है. मानव शरीर पैर से लेकर सिर तक आपस में जुड़ा है. हजारों नसें, रक्त धमनियां, मांसपेशियां, स्नायु और हड्डियों के साथ अन्य कई चीजें आपस में मिलकर इस शरीर रूपी मशीन को बखूबी चलाती हैं. किसी एक बिंदु पर दबाव डालने से उससे जुड़ा पूरा भाग प्रभावित होता है.

ओपन कर सकते हैं खुद का सेंटर

जो भी युवा एक्यूप्रेशर थेरेपी में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, उनके पास मास्टर डिग्री और ग्रेजुएट सर्टिफिकेट होना आवश्यक है. इसके साथ ही अनुभव भी बहुत जरूरी है. युवा यह कोर्स करने के बाद किसी एक्यूप्रेशर सेंटर पर जॉब कर सकते हैं या फिर खुद का सेंटर भी खोल सकते हैं.

संस्थान

नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ एक्यूप्रेशर रिसर्च ट्रेनिंग एंड ट्रीटमेंट चंडीगढ़, सुजोक एक्यूपंक्चर एंड एक्यूप्रेशर नई दिल्ली, एक्यूपंक्चर कम थेरेपी इंस्टीट्यूट देहरादून, एक्यूप्रेशर रिसर्च ट्रेनिंग एंड ट्रीटमेंट संस्थान इलाहाबाद, उत्तरांचल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्यूप्रेशर और अल्टरनेटिव मेडिसिन देहरादून, एक्यूप्रेशर हेल्थ मार्ट कोलकाता, एक्यूप्रेशर हेल्थ केयर इंडिया रायपुर आदि.

Success Story

कॉलेज में उड़ाते थे मजाक
हिंदी मीडियम से पढ़ाई कर बने IAS

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है. इसमें सफल होने वाले उम्मीदवारों को उनकी रैंक और प्रिफरेंस के आधार पर IAS, IPS, IRS, IFS आदि सर्विस अलॉट की जाती हैं. यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे कुछ उम्मीदवारों को लगता है कि इसमें सफल होने के लिए उनका अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई करना जरूरी है. लेकिन असल में ऐसा है नहीं. आईएएस हिमांशु नागपाल ने इस मिथ को तोड़ दिया.

आईएएस हिमांशु हरियाणा राज्य के हिसार जिले में स्थित हांसी के रहने वाले हैं. वह साधारण पृष्ठभूमि वाले परिवार से ताल्लुक रखते हैं. अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़ न होने के बावजूद उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में यूपीएससी परीक्षा क्लियर कर ली थी. जो उम्मीदवार हिंदी भाषा को अपनी सफलता का रोड़ा मानते हैं, उनके लिए हिमांशु की लाइफ स्टोरी किसी प्रेरणा से कम नहीं है. उन्होंने कक्षा 5वीं तक की पढ़ाई सरकारी स्कूल से की है. इसके बाद उनका एडमिशन प्राइवेट स्कूल में करवाया गया था. उन्होंने 12वीं तक हिंदी मीडियम से पढ़ाई की है. हिमांशु ने 10वीं में 80% और 12वीं में 97% मार्क्स हासिल किए थे. उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हंसराज कॉलेज से बीकॉम ऑनर्स किया है.

हादसों से टूट गए

हंसराज कॉलेज में एडमिशन के वक्त हिमांशु के पिता उन्हें छोड़ने आए थे. तब बुलेटिन बोर्ड पर टॉपर्स का नाम देखकर उन्होंने कभी हिमांशु का नाम वहां देखने की इच्छा जताई थी. इसके कुछ समय बाद ही हिमांशु ने अपने पिता को एक एक्सीडेंट में खो दिया. पिता की मौत के कुछ महीनों बाद हिमांशु के बड़े भाई की भी अचानक मौत हो गई. इन दो हादसों के बाद वह टूट गए थे. लेकिन अपनी मां और चाचा के सपोर्ट से उन्होंने पढ़ाई जारी रखी. इन दो हादसों के अलावा भी हिमांशु को कॉलेज में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा. उन्होंने शुरू से हिंदी मीडियम में पढ़ाई की थी, जबकि कॉलेज पूरी तरह से इंग्लिश मीडियम था. उन्हें कॉलेज में किसी से भी बातचीत करने में झिझक महसूस होती थी. कई बार क्लास के दौरान भी उनका मजाक उड़ाया गया. लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और यूपीएससी परीक्षा के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी.

सेल्फ स्टडी के बलबूते पास की परीक्षा

आईएएस परीक्षा पास करने के लिए हिमांशु ने किसी कोचिंग का सहारा नहीं लिया. उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में सिर्फ सेल्फ स्टडी के बलबूते मात्र 22 वर्ष की उम्र में यूपीएससी परीक्षा पास कर ली और 26वीं रैंक हासिल की थी. हिमांशु को फैमिली इश्यूज, भाषा, बजट, सही गाइडेंस की कमी जैसी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा. हिमांशु ने सहारनपुर से अपनी सरकारी नौकरी की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्हें जौनपुर और कानपुर में पोस्टिंग मिली. फिलहाल वह वाराणसी में सीडीओ के पद पर कार्यरत हैं.

फाइन आर्ट में बनाएं शानदार करिअर

डिप्लोमा इन स्कल्पचर कोर्स

फाइन आर्ट एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें पढ़ाई करने के बाद भविष्य में क्रिएटिव फील्ड में शानदार करिअर बनाया जा सकता है. इसमें पढ़ाई करने के बाद स्कल्पचर डिजाइनिंग, मॉडलिंग डिजाइनिंग, म्यूरल डिजाइनिंग, आर्ट डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, मॉडलिंग, क्रिएटिव आर्ट जैसे रचनात्मक कार्यों का हिस्सा बन सकते हैं. कई मल्टीनेशनल कंपनियां, कॉलेज, ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं. इसमें सिर्फ नौकरी ही नहीं, बल्कि बिजनेस करके भी भरपूर पैसा कमा सकते हैं.

फाइन आर्ट्स भारत की एक उभरती हुई फील्ड है. कई क्रिएटिव फील्ड में इसमें आगे बढ़ा जा सकता है. इसके लिए कैंडिडेट की रचनात्मक क्षमता काफी मायने रखती है. नई सोच व नया नजरिया इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में नई दिशा देता है.

योग्यता

किसी भी मान्यताप्राप्त संस्थान से 12वीं पास होना जरूरी है.
किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास कैंडिडेट इसमें करिअर बना सकते हैं.
कैंडिडेट के 12वीं में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने जरूरी हैं.

संस्थान

▮ जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
▮ कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी
▮ दक्षिण कला और डिजाइन संस्थान एसआईडी, कांचीपुरम
▮ संतराम कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट, वल्लभ विद्यानगर

स्कोप

आर्ट गैलरी, संग्रहालय, गेमिंग कंपनी, नेशनल हेरिटेज साइट ऐसी जगहें हैं जहां से कैंडिडेट को बेहतर करिअर की दिशा मिल सकती है.

जॉब प्रोफाइल

▮ आर्ट एंड क्राफ्ट टीचर
▮ थ्री-डी क्ले मॉडलर
▮ इंटीरियर डिजाइनर

कोर्सेस

▮ बैचलर इन विजुअल आर्ट
▮ बैचलर इन फाइन आर्ट्स
▮ एमए इन स्कल्पचर
▮ एमबीए
▮ पोस्ट ग्रेजुएशन इन डिप्लोमा स्कल्पचर

प्रोस्पेक्टिव

फाइन आर्ट करने के बाद कैंडिडेट को कई रचनात्मक और नवीन क्षेत्र में कार्य करने का अवसर मिलता है. अगर कैंडिडेट की प्रतिभा औरों से अलग हटकर है तो इस क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करके नई दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है. सैलरी हर स्तर पर अलग-अलग होती है. इस प्रोफेशन के लिए ज्यादातर लोग टीचिंग और स्कल्प्चरिंग से संबंधित क्षेत्र को महत्व देते हैं. इसमें सैलरी कार्य के अनुरूप होती है. सरकारी क्षेत्र में 3 से 4 लाख रुपए महीने से शुरुआत होती है.

अगर टारगेट नहीं हो रहा है पूरा

जब किसी काम को समय पर खत्म करना होता है तो उसके लिए कैंडिडेट को ऑफिस की तरफ से टारगेट निर्धारित किए जाते हैं. लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि ज्यादा काम होने से या दबाव के चलते टारगेट पूरे नहीं होते. ऐसा अक्सर कई कैंडिडेट के साथ देखने को मिलता है. इस तरह की आदत से बाहर निकलने के लिए कुछ बातों का ध्यान में रखना बेहद जरूरी होता है, ताकि दिए टारगेट को समय पर खत्म कर सकें.

हर काम की लिस्ट बनाएं

जो भी काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं, उसकी पहले एक लिस्ट बना लें. काम के लिए बनाई लिस्ट के अंतर्गत टारगेट को ध्यान में रखें. इससे अंदाजा मिल जाएगा कि कौन-सा काम कब और कैसे करना है. जरूरी काम को पहले और कम आवश्यक काम को लिस्ट में दूसरे नंबर पर रखें. इससे काम में आसानी रहेगी और टारगेट को पूरा करने में भी मदद मिलेगी.

समय-समय पर मीटिंग प्लान करें

कभी भी काम खत्म करने के चक्कर में ओवर प्लानिंग न करें. इससे काम का दबाव ज्यादा होगा. एक बार में एक ही काम करें, ताकि सरलता से काम किया जा सके. ऑफिस काम के दौरान मीटिंग करें, जिससे अहम प्रोजेक्ट्स के बारे में पता लग पाए.

प्रेशर से घबराएं नहीं

जब टारगेट पूरे करने की बात होती है तो बहुत ज्यादा अनावश्यक कामों का बोझ खुद पर न रखें. हर काम में हां कहने की आदत को सुधारें. इससे काम पूरा करने और जरूरी काम को समझने में मदद मिलेगी.

क्षमता को पहचानें

उसी काम को चुनें, जिसे टारगेट के अनुसार समय पर पूरा कर सकें. इससे काम में परफेक्शन आता है. इसके साथ ही काम करने की स्टाइल परफेक्ट होती है तो समय पर पूरा भी कर सकते हैं. इंटरेस्टिंग काम को कैंडिडेट जल्दी खत्म कर सकते हैं.

काम के दौरान एक्टिव रहें

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है. काम कितना भी चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन ध्यान रखें कि काम के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लें, ताकि काम करने के तरीके में एक्टिवनेस बनी रहे और प्रोजेक्ट जल्दी पूरा हो.

स्ट्रेस को दूर रखें

टारगेट से संबंधित काम में स्ट्रेस होना स्वाभाविक सी बात है. लेकिन ऐसी स्थिति अगर काम में बनती है तो कोशिश करें कि उसे दूर रखें. अन्यथा काम इजी होने के बजाय और मुश्किल हो जाएगा. इससे जो काम एक दिन में खत्म हो सकता है, उसे खत्म करने में दो दिन या उससे ज्यादा भी लग जाएंगे. इसलिए स्ट्रेस को दूर रखें.

डेडलाइन का रखें ध्यान

काम की डेडलाइन का ध्यान रखें. काम टालने की आदत को छोड़कर उसे पूरा करने का प्रयास करें. वर्किंग के दौरान आलस नहीं करें. काम पर फोकस करके जल्दी खत्म करने का प्रयास करें.

एडमिशन ALERT

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू, कर्नाटक

- **कोर्स** : पीएचडी प्रोग्राम
- **योग्यता** : मास्टर्स डिग्री होनी जरूरी है. साथ ही, वैध गेट स्कोर या नेट जेआरएफ अनिवार्य है.
- **चयन प्रक्रिया** : नेशनल एंट्रेंस टेस्ट और इंटरव्यू
- **आवेदन की अंतिम तारीख** : 31 अक्टूबर, 2022
- **इंटरव्यू की तारीख** : 21 से 25 नवंबर, 2022
- **सेशन शुरुआत की तारीख** : 2 जनवरी, 2023
- **आवेदन फीस** : 800 रुपए
- वेबसाइट https//iisc.ac.in/

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई, महाराष्ट्र

- **कोर्स**: पीएचडी प्रोग्राम
- **योग्यता**: मास्टर्स डिग्री जरूरी है.
- **चयन प्रक्रिया** : ऑनलाइन टेस्ट और इंटरव्यू
- **आवेदन की अंतिम तारीख** : 31 अक्टूबर, 2022
- **नेशनल एंट्रेंस एग्जाम की तारीख** : 11 दिसंबर, 2022
- **पुरुष आवेदकों के लिए आवेदन फीस** : 1000 रुपए
- **महिला आवेदकों के लिए आवेदन फीस** : 500 रुपए

वेबसाइट www.tifr.res.in

ई-लर्निंग प्रोग्राम डिजाइनर्स में चाहिए स्किल

कोरोना काल से ऑनलाइन लर्निंग पोग्राम जॉइन करने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है. यही वजह है कि सरकारी संस्थानों से लेकर प्राइवेट इंस्टीट्यूट तक में ई-लर्निंग पोग्राम को बढ़ावा दिया जा रहा है. इस ट्रेंड के कारण ऐसे डिजाइनर्स की मांग बढ़ रही है जो ई-लर्निंग के कंटेंट को डिजाइन कर सकें. इसे डिजाइन करने वाले विशेषज्ञों को कई नामों से जाना जा रहा है, जैसे- ई-लर्निंग पोग्राम डिजाइनर्स और ई-लर्निंग इंस्ट्रक्शनल डिजाइनर्स. एक बेहतर ऑनलाइन पोग्राम डिजाइन करने के लिए कई बातों को समझना जरूरी है. विशेषज्ञ कहते हैं, इस तरह के पोग्राम को डिजाइन करने के लिए विजुअल्स का विशेष महत्त्व होता है, लेकिन इसे सलीके से पेश करने की स्किल भी होनी जरूरी है, तभी लर्नर के लिए उसे समझना आसान हो सकता है.

इलस्ट्रेशन

यह जरूरी नहीं कि आपने जिस टॉपिक पर प्रोग्राम तैयार किया है, उसकी तस्वीरें आसानी से मिल जाएं. ऐसे मामलों में इलस्ट्रेशन मदद करते हैं. इसे तैयार करते या किसी डिजाइनर से बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखने की जरूरत है. जैसे- टॉपिक की अहम बातों का सार इसमें नजर आना चाहिए. यह ऐसा होना चाहिए, जो साफ-सुथरा नजर आए और आसानी से समझा जा सके. अगर टॉपिक काफी बड़ा है तो उसे टुकड़ों में इलस्ट्रेशन के जरिए समझाएं. एक्सपर्ट कहते हैं, कई बार डिजाइनर्स पूरे टॉपिक को एक इलस्ट्रेशन में समझाने की कोशिश करते हैं जिसका नतीजा यह कि कुछ भी समझ नहीं आता है. इसके अलावा इलस्ट्रेशन का बैकग्राउंड कलर हल्का रखें, अधिक गहरा रंग होने पर यूजर की आंखों को स्क्रीन पर अधिक जोर लगाना पड़ता है. इससे लर्निंग बिहेवियर पर बुरा असर पड़ता है.

फोटो

तस्वीरों के जरिए कठिन से कठिन टॉपिक को समझाना काफी आसान हो जाता है. यह शब्दों को बार-बार पढ़ने और समझने की बोरियत से बचाती है और लर्निंग का उत्साह बनाए रखती है. इसका इस्तेमाल करें लेकिन ध्यान रखें कि ये हाई रिजोल्यूशन की होनी चाहिए.

इंफोग्राफिक

इंफोग्राफिक शब्दों, तस्वीरों व इलस्ट्रेशन को समेटे हुए होती है. इसका प्रयोग उन टॉपिक्स के लिए करते हैं जहां विजुअल व टेक्स्ट की बराबर से मांग हो. ध्यान रखें, जब भी इसे शामिल करें तो थोड़ी अधिक जगह दें, ताकि इसे आसानी से समझ सकें. इसे बनाने में सावधानी बरतें. जैसे- जरूरत से ज्यादा तस्वीरें/टेक्स्ट, इंफोग्राफिक को खराब करती हैं. टेक्स्ट व इलेस्ट्रेशन का तालमेल बैलेंस हो. इंफोग्राफिक के सभी एलिमेंट में पर्याप्त व्हाइट स्पेस हो, ताकि देखने व समझने वाला इंसान इसे आसानी से समझ सके.

एनिमेशन

ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम को आकर्षक बनाने के लिए एनिमेशन का प्रयोग किया जाता है. इसे इलस्ट्रेशन के मुकाबले ज्यादा असरदार माना जाता है, लेकिन सही प्रयोग किया जाए तो. यह जटिल टॉपिक को आसानी से समझने में मदद करता है. एक्सपर्ट कहते हैं, कोई भी लर्नर शब्दों के मुकाबले विजुअल के जरिए आसानी से टॉपिक को समझ पाते हैं. एनिमेशन में विजुअल एलिमेंट्स का मूवमेंट शब्दों के मुकाबले मेमोरी में फिट होकर लंबे समय तक याद रहता है.

चार्ट

कई तरह के चार्ट का प्रयोग अलग-अलग तरह से विभिन्न प्रकार के टॉपिक को समझाने में किया जाता है. मैथ्स, साइंस, सांख्यिकी, ज्योग्राफी या बिजनेस कंटेंट के लिए यह ई-लर्निंग कंटेंट का खास हिस्सा है. चार्ट व ग्राफ आसानी से आपकी बात को समझाने का काम करते हैं, इसलिए इसे बनाते समय भी कुछ बातों का ध्यान रखें. जैसे- चार्ट या ग्राफ ऐसा हो जो एक बार में समझा जा सके. ऐसे सुंदर चार्ट के चयन से बचें जो कंटेंट को समझाने में विफल साबित हों.

ऐसे पाएं CAT में कामयाबी

बी-स्कूल्स में प्रवेश के लिए कैट यानी कॉमन एडमिशन टेस्ट अहम सीढ़ी है. इसमें अच्छी रैंकिंग लाना एमबीए करने की चाह रखने वाले हर छात्र का सपना होता है. हालांकि कई बार पूरी मेहनत के बाद भी अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाती. इसका यह अर्थ नहीं कि आपकी मेहनत में कमी है. असल में अपेक्षित सफलता के लिए सही दिशा और रणनीति के साथ तैयारी जरूरी है. जानते हैं 27 नवंबर, 2022 को प्रस्तावित कैट के लिए इस बचे हुए समय में उम्मीदवारों को क्या करना चाहिए.

बढ़ाएं अपनी क्षमता

उम्मीदवार स्पष्ट रणनीति के साथ अपनी क्षमताओं को बढ़ाने का प्रयास करें. परीक्षा में अच्छा स्कोर करने के लिए सबसे पहले अपनी पढ़ने की गति को तेज करें और समय का सही तरह से प्रबंधन करें. कई छात्र उत्तर पता होते हुए भी तय समय में सभी प्रश्न नहीं हल कर पाते हैं. कभी पढ़ने की धीमी गति और कभी कुछ शब्दों को न जानना भी इसकी वजह बन जाता है. इसलिए जरूरी है कि प्रतिदिन अखबार पढ़ें और उसमें से कुछ कठिन शब्दों को नियमित रूप से उपयोग में लाएं. विस्तृत उत्तर वाले प्रश्नों को भी पढ़ना जरूरी है. क्रासवर्ड पहेलियां भरना और नियमित रूप से आनलाइन मॉक टेस्ट का सामना करना भी अपनी क्षमता को बढ़ाने का तरीका है.

रीजनिंग की समझ

बात एमबीए की हो तो डाटा एंटरप्रेटेशन और लॉजिकल रीजनिंग की भूमिका बहुत अहम हो जाती है. इसमें दक्षता प्राप्त करने के लिए गणना करने की गति तेज होना आवश्यक है. पहेलियां सुलझाना, तरह-तरह के प्रश्नों का सामना करना, सटीक गणना पर फोकस करना कुछ अच्छे कदम हैं. पहले कठिन प्रश्नों को हल करने का प्रयास करें. साथ ही, यह भी ध्यान रखें कि कोई प्रश्न आपसे छूट न जाए.

अपने दिमाग पर करें भरोसा

कैट जैसी परीक्षा के लिए आपको अपने दिमाग पर भरोसा करना आना चाहिए. हर छोटी-बड़ी गणना के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग आपके दिमाग को कमजोर बना सकता है. दिमाग में ही गणनाएं करने की आदत डालिए. फार्मूले याद रखिए और बेसिक कॉन्सेप्ट पर फोकस कीजिए. अलग-अलग विषयों को हल करने की अपनी क्षमता एवं रणनीति को पहचानकर उसे धार दीजिए. प्रश्नों को हल करते समय गणित के किसी जानकार की तरह सोचिए और समस्याओं का समाधान खोजने की अपनी गति बढ़ाइए.

बेसिक बातों का रखें ध्यान

किसी भी परीक्षा में अच्छा स्कोर करने के लिए उसकी कुछ बातों के बारे में पता होना बहुत आवश्यक है. कॉमन एडमिशन टेस्ट यानी कैट भी इससे अलग नहीं है. इस दिशा में कदम बढ़ाते ही सबसे पहले परीक्षा के पैटर्न, मार्किंग का तरीका और पाठ्यक्रम के बारे में जान लीजिए. कई बार निगेटिव मार्किंग की जानकारी नहीं होना भी आपके परिणाम को बिगाड़ सकता है. पैटर्न और पाठ्यक्रम जानने के बाद पढ़ाई के तरीके को समझिए और अपनी रणनीति तैयार कीजिए. पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करना भी पैटर्न व पाठ्यक्रम को समझने का अच्छा तरीका हो सकता है. इससे आपको अपनी गति बढ़ाने में मदद मिलती है. सभी रिसोर्स मैटीरियल और तैयारी के लिए सही पुस्तकों का चयन भी आपके परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

एक नज़र

दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत, पांच गंभीर घायल

हिलव्यू समाचार
अलवर/धौलपुर। इस बार दीपावली पर्व कई परिवारों के चिरागों को लील गया। तेज रफ्तार और लापरवाही कई लोग जिंदगी से हाथ धो बैठे। वहीं, परिजनों को हमेशा के लिए दर्द दे गए।

अलवर जिले में हुए एक हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई व तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं धौलपुर जिले के बाड़ी में हुए सड़क हादसे एक बोलेरो गाड़ी ने मोटर साइकिल पर सवार 4 युवकों को कुचल दिया। दो युवकों की तो मौके पर ही मौत हो गई व दो गंभीर घायल हो गए।

जीप ने चार युवकों को कुचला, एक ने तोड़ा दम

अलवर। स्थानीय सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात 11 बजे जीप चालक ने रोड किनारे खड़े चार युवा दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य जिंदगी और मौत बीच संघर्षरत है। तीनों का निजी चिकित्सालय में उपचार जारी है।

जीप की टक्कर से 2 युवकों की गई जान

बाड़ी। बाड़ी कस्बे के बसेड़ी रोड पर बुधवार दोपहर गोवर्धन पूजा के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। एक बोलेरो ने मोटर साइकिल पर सवार 4 युवकों को कुचल दिया। दो लोगों की तो मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना में 2 लोग गम्भीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को बाड़ी अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को जिला अस्पताल धौलपुर रेफर कर दिया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, 4 लोग बाइक पर सवार होकर बसेड़ी से बाड़ी की ओर आ रहे थे। इस दौरान कृषि उपज मंडी के पास उन्हें बोलेरो गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पवन पुत्र राजेंद्र परमार निवासी अब्दलपुर थाना कंचनपुर और विमल उर्फ बीपी पुत्र कम्पोटर सिंह परिहार निवासी पिदावली थाना कंचनपुर की मौके पर ही मौत हो गई।

लापरवाही: एनआईसीयू में भर्ती थी 21 दिन की बालिका, परिजनों का हंगामा

अस्पताल में वॉर्मर पर जलने से बच्ची की मौत

हिलव्यू समाचार
भीलवाड़ा। महात्मा गांधी हॉस्पिटल में वॉर्मर में ज्यादा तापमान रखने से 21 दिन की बच्ची की मौत हो गई। एक बच्चा झुलस गया। वजन कम होने के कारण बच्ची को एनआईसीयू में रखा गया था। एनआईसीयू के बाहर खड़ा पिता बेटी को देखने गया तो उसके होश उड़ गए। एनआईसीयू में भर्ती एक दूसरा बच्चा भी काफी झुलस गया। बच्चे की बुआ ने बताया कि वह रात को बच्चे के पास गई थी। बच्चे की चमड़ी पर झुलसने से काफी निशान हो गए थे। चित्तौड़गढ़ के मरमी गांव के रहने वाले पप्पू वैष्णव ने बताया कि 5 अक्टूबर को बेटी पैदा हुई थी। तबीयत खराब होने पर 10 अक्टूबर को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्ची का वजन कम होने पर एनआईसीयू में रख दिया। एनआईसीयू में रात के समय ठेके पर लगे दो कर्मचारी ड्यूटी पर थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात तीन बजे वह अपनी बच्ची के पास गया तो वह झुलसी मिली। वॉर्मर से ज्यादा हीट होने के कारण बच्ची जल गई। डॉक्टरों ने जब तक देखा उसकी मौत हो चुकी थी।

लेन-देन को लेकर उठा ले गए युवक को, 15 लाख फिरौती मांगी, पुलिस ने छह घंटे में ही कराया मुक्त

छुट्टी पर आए फौजी व 3 बदमाशों ने किया युवक का अपहरण

हिलव्यू समाचार
चूरू। लेन-देन को लेकर अपहृत किए गए युवक को करीब 6 घंटे बाद पुलिस ने बदमाशों के चंगुल से छुड़ा लिया। बदमाशों ने युवक की पत्नी को फोन कर 15 लाख की फिरौती मांगी थी। अपहरणकर्ताओं में सेना का जवान भी शामिल था, जो 10 दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया था। सेना का यह जवान जम्मू में पोस्टेड है। पुलिस ने पीड़ित युवक को बुधवार दोपहर मेडिकल मुआयना करवाकर घर भेज दिया। कोतवाली थानाधिकारी महेन्द्र कुमार चावला ने बताया कि युवक के भाई शशिकांत ने रिपोर्ट दी थी कि उसका भाई अरविंद उर्फ मोनू (30) कोलकाता में काम करता है। दीपावली पर वह अपने घर चूरू आया था। मंगलवार शाम करीब 4 बजे वह धर्मस्तूप के पास खड़ा था। इस दौरान एक कैंपर गाड़ी में 5 लोग आए। उन्होंने अरविंद के साथ मारपीट की और उसे कैंपर में डालकर ले गए। शशिकांत ने बताया कि 10 दिन पहले बीकानेर के लालचंद और तुलसी राम ने उनके घर आकर जान से मारने की धमकी दी थी। इन्हीं लोगों पर अपहरण की आशंका जताई।

तार हवाला से जुड़े होने का अंदेशा

थानाधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर चूरू और आस-पास के जिलों में नाकाबंदी कराई गई। मंगलवार रात करीब 10 बजे सीकर की नेछवा पुलिस ने बदमाशों के चंगुल से अरविंद को छुड़ा लिया। पुलिस ने कैंपर में सवार 2 बदमाशों को भी गिरफ्तार किया है। दो बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। थानाधिकारी ने बताया कि युवक के अपहरण में शामिल एक आरोपी रामगोपाल सेना का जवान है, जबकि दूसरा आरोपी हरीश विश्नोई दूध बेचता है। अपहरण में बीकानेर के सरेरा निवासी लालचंद सारस्वत, भैरव, बालाजी ट्रांसपोर्ट बीकानेर का संदीप और एक अन्य व्यक्ति भी शामिल था। वारदात के तार हवाला से जुड़े हुए हो सकते हैं।

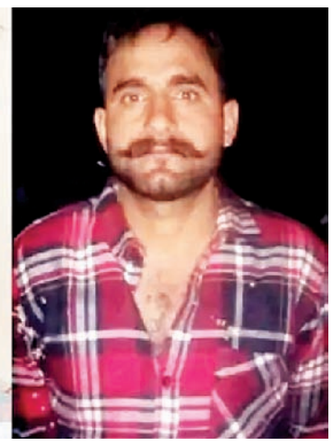

नहीं मिला नकदी व सोना, मुख्य आरोपी गिरफ्त से दूर

मणप्पुरम गोल्ड लूट: 53 दिन बाद हत्थे चढ़े सिर्फ 2 आरोपी

हिलव्यू समाचार
उदयपुर।
शहर की सबसे बड़ी और चर्चित मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी की लूट का आखिरकार शुक्रवार को खुलासा हुआ। पुलिस ने वारदात के 53 दिन बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि सरगना और अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस को और भाग-दौड़ करनी होगी। आरोपियों से सोना और नकदी बरामद हुए या नहीं, इसके बारे में पुलिस ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। गौरतलब है कि गत 29 अगस्त को लुटेरों ने सुंदरवास स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन की स्थानीय ब्रांच में बंदूक दिखाकर कर्मचारियों से मारपीट की और 23 किलो सोने के साथ 11 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए थे। इधर, निंबाहेड़ा से पकड़े गए दोनों आरोपियों के पास से पुलिस ने एक पिस्टल और कारतूस भी बरामद किए। वारदात का खुलासा उदयपुर आईजी प्रफुल्ल कुमार, एसपी विकास शर्मा और एडिशनल एसपी चंद्रशील ठाकुर ने किया। आईजी ने बताया कि मामले में प्रिंस कुमार उर्फ सूरज और फंटूश उर्फ मनोज को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से लूट के दौरान काम में लिया गया हथियार भी जब्त किया है। लूट का मास्टरमाइंड और अन्य आरोपी कौन-कौन हैं, इस बारे में पुलिस ने कुछ भी कहने से इनकार किया।

दो ग्रुप बनाकर आए थे लुटेरे

शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के सुंदरवास में मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी में लूट के आरोपी वारदात से कुछ दिन पूर्व ही दो अलग-अलग ग्रुप बनाकर उदयपुर आए थे। एक ग्रुप 15-16 अगस्त को जबकि दूसरा ग्रुप 23-24 अगस्त के बीच उदयपुर पहुंचा था। वारदात के मास्टरमाइंड सहित सभी आरोपी बिहार के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी 6 अगस्त, 2022 को ओडिशा के ढेंकानाल शहर में भी मणप्पुरम गोल्ड लोन कपंनी में डाका डालने गए थे, लेकिन सायरन बजने से योजना विफल हो गई। ऐसे में उन्होंने स्टडी कर उदयपुर के सुंदरवास क्षेत्र में स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन कपंनी का ऑफिस चुना। आरोपियों का सबसे बड़ा टारगेट वह जगह थी, जहां से सुरक्षित तरीके से आसानी से भागा जा सके और सुंदरवास इलाका उनको सुरक्षित लगा। जीपीएस ट्रेकर, जैमर, वाई-फाई कॉलिंग वायरलैस कम्यूनिकेशन को उन्होंने यहां आकर सबसे पहले निष्प्रभावी किया।

बन-ठन कर आए आरोपी, नहीं नजर आया कोई खौफ

आरोपियों को पुलिस जिस तरह से लेकर आई वह शहर में चर्चा का विषय बना रहा। एक आरोपी ने महंगे कपड़े और जूते पहने थे। दोनों के चेहरों पर पकड़े जाने के बाद भी न शिकन थी, न खौफ। पुलिस ने कहा कि लूट का मास्टरमाइंड बिहार का है। आरोपी डबोक में विद्यार्थी बनकर रह रहे थे और वारदात के 15 दिन पहले उदयपुर आए थे। सभी एक-दूसरे को अपने आपराधिक नामों से जानते हैं। ऐसे में मास्टरमाइंड और अन्य आरोपी कहा से हैं और कहां गए, ये पता करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है।

कोटा से खरीदी बाइक, कॉलेज स्टूडेंट बनकर रहे

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने वारदात में काम में ली बाइक कोटा से खरीदी थी। आरोपियों का पहला टारगेट लूटे गए सोने और नकदी को राजस्थान की सीमा से बाहर निकालना था। इसके लिए उन्होंने एमपी के कच्चे रास्तों को चिह्नित किया। घटना को अंजाम देने से पूर्व किसी को शंका नहीं हो, इसके लिए डबोक में किराए का मकान लिया और खुद को स्टूडेंट बताकर वहां रहने लगे। पुलिस से बचने के लिए उन्होंने ऐसी जगहों और रास्तों को चुना, जहां से वे आराम से उदयपुर और प्रदेश की सीमा से बाहर निकल जाएं।

60-60 लाख देने का किया वादा, अब चंपत

पांच आरोपियों में से मुख्य आरोपी का नाम गुड्डू है। जबकि अखिलेश, प्रिंस उर्फ सूरज, फंटूश उर्फ मनोज के अलावा एक अन्य आरोपी वारदात में शामिल था। ये सभी बिहार जेल में मिले थे। प्रिंस पुलिसकर्मी की हत्या और अन्य लूट की वारदात करने का आरोपी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजस्थान के रास्ते मध्यप्रदेश निकल गए थे और नीमच से अलग-अलग हो गए थे। गोल्ड और नकदी मास्टरमाइंड गुड्डू अपने साथ ले गया। गुड्डू ने विश्वास में लेकर खुद ही संपर्क साधने और प्रत्येक आरोपी को 60-60 लाख रुपए देने का वादा किया। इसके बाद लूट का सारा माल लेकर प्रदेश से बाहर निकल गया।

घर में घुसकर मारपीट-फायरिंग सेवानिवृत्त आईएएस गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
नागौर। पीलवा थाना क्षेत्र के पीह गांव में 21 अक्टूबर की सुबह जमीन विवाद को लेकर फायरिंग, मारपीट और घर में तोड़-फोड़ करने के मामले में पुलिस ने एक रिटायर्ड आईएएस को गिरफ्तार किया है। थाना पीलवा, परबतसर, चितावा तथा क्यूआरटी टीम ने संयुक्त रूप से त्वरित कार्रवाई कर मूलतः गुड़गांव (हरियाणा) हाल रोहिताश सिंह कृषि फार्म गांव पीह निवासी आरोपी रोहिताश सिंह पुत्र शेर सिंह जाट को परबतसर से गिरफ्तार किया है, आरोपी रिटायर्ड आईएएस है।

नागौर एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि 21 अक्टूबर की सुबह पीलवा थाना क्षेत्र के पीह गांव में 10-12 बदमाश सतवीर सिंह के घर में घुसे। घर के व्यक्तियों से मारपीट व फायरिंग कर घर में तोड़फोड़ की गई। फायरिंग में एक महिला गोली लगने से तथा अन्य व्यक्ति मारपीट से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जेएलएन अस्पताल में भर्ती पीड़ित बिजेंद्र ने आरोपियों द्वारा जमीन विवाद को लेकर परिजनों पर फायरिंग और मां को गोली मारने की रिपोर्ट दी।

फार्म हाउस पर बनाई हमले की योजना

एसपी जोशी ने बताया कि तुरंत एएसपी गणेशाराम सीओ मकराना रविराज सिंह, एसएसओ पीलवा सूरजमल, एसएचओ परबतसर सुभाष पूनिया, एसएचओ चितावा हरिराम मय टीम एवं क्यूआरटी के साथ पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी लेकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद नामजद आरोपी रिटायर्ड आईएएस रोहिताश सिंह जाट को दस्तयाब किया गया। उसने पूछताछ में जमीन विवाद को लेकर पीह गांव में अपने फार्म हाउस पर योजना बनाना तथा घटना के रोज राहुल वाल्मीकि समेत 10-12 व्यक्तियों द्वारा सतवीर सिंह के घर में घुस मारपीट, तोड़-फोड़ व फायरिंग करवाना स्वीकार किया है।

युवक की हत्या, मास्टरमाइंड समेत चार को पकड़ा

हिलव्यू समाचार
झालावाड़। कोतवाली थाना क्षेत्र के मामा भांजा चौराहे के पास सोमवार को दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी नरेश गुर्जर समेत 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों से वारदात में शामिल अन्य बदमाशों के बारे में पूछताछ की जा रही है। झालावाड़ एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि फायरिंग के आरोपी असलुप उर्फ काबरा पुत्र मोहम्मद ताहिर व पीयूष उर्फ छोटू पुत्र राजेंद्र जोशी निवासी नयापुरा जामा मस्जिद के पास तथा अभियुक्तों को हथियार उपलब्ध कराने वाले दो भाइयों नरेश गुर्जर व संजू गुर्जर पुत्र कालूलाल निवासी चंदा महाराज की पुलिया के पास नला मोहल्ला को गिरफ्तार किया है। घटना के संबंध में 24 अक्टूबर को मृतक युवक आरिफ बेग के पिता वाहिद बैग निवासी पीलखाना ने रिपोर्ट दी थी।

भरतपुर में गोवर्धन पर्व पर बना रिकॉर्ड

बनाए 108 फीट के गोवर्धन महाराज, पूजा-अर्चना करने उमड़े श्रद्धालु

हिलव्यू समाचार
भरपतुर। यहां गोवर्धन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घर-घर लोगों ने गाय के गोबर से गोवर्धन बनाकर उनकी विधि-विधान से पूजा अर्चना की। वहीं महारानी श्री जया कॉलेज मैदान पर जिला प्रशासन द्वारा 108 फीट के गोवर्धन महाराज बनाकर कीर्तिमान बना डाला। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए गए भरतपुर दीप महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में 108 फीट के गोवर्धन महाराज की पूजा मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। जिला कलेक्टर आलोक रंजन की मॉनिटरिंग में नगर निगम, यूआईटी, विप्र फाउंडेशन एवं लायंस क्लब भरतपुर सेंचुरी द्वारा 3 दिन की अथक मेहनत के बाद गाय के गोबर से 108 फीट के गोवर्धन महाराज बनाए गए। विशालकाय गोवर्धन महाराज की पूजा करने के लिए भरतपुर के लोगों की भारी भीड़ महारानी श्री जय कॉलेज मैदान में उमड़ पड़ी। पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री विश्वेंद्र सिंह, तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, मेयर अभिजीत कुमार, नगर निगम आयुक्त कमलराम मीणा, कुंवर दीपराज सिंह आदि ने विधि-विधान के साथ 108 फीट के गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर महाआरती की और परिक्रमा लगाई। इस दौरान पूरा कॉलेज ग्राउंड गिर्राज महाराज के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। कॉलेज ग्राउंड में गिर्राज महाराज के दर्शन करने आ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे और बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी जगह-जगह तैनात किए गए।

तीन दिन तक की कड़ी मेहनत

तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि बड़े ही सौभाग्य की बात है कि भरतपुर में 108 फीट के गोवर्धन महाराज बनाए गए हैं और ऐसा दृश्य पूरे देश में सिर्फ भरतपुर में ही दिखाई दे रहा है। जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने विप्र फाउंडेशन, लायंस क्लब भरतपुर सेंचुरी के सभी पदाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों व उन सभी लोगों की जमकर तारीफ की, जिन्होंने 108 फीट के गोवर्धन महाराज बनाने में 3 दिन तक कड़ी मेहनत की थी।

श्रद्धालुओं ने जमकर लगाए जयकारे

श्रद्धालुओं ने 108 फीट के विशाल गिर्राज महाराज की परिक्रमा लगाई और जमकर जयकारे भी लगाए। इस मौके पर आकर्षक लाइट एंड साउंड शो के अलावा भव्य आतिशबाजी का भी प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे ब्रजमंडल में गोवर्धन पूजा का विशेष महत्व है और भरतपुर में जिला प्रशासन, विप्र फाउंडेशन व अन्य संस्थाओं द्वारा 108 फीट के बनाए गए गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना करने व उनके दर्शन करने के लिए भरतपुरवासियों में खासा उत्साह नजर आ रहा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने परिवार के साथ किए प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन

हिलव्यू समाचार
नाथद्वारा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को परिवार सहित नाथद्वारा पहुंचे। यहां उपराष्ट्रपति ने श्रीनाथ जी मंदिर पहुंचकर सपत्नीक श्रीनाथ जी के दर्शन किए। उपराष्ट्रपति इसके बाद तत्पदम उपवन मिराज कैंपस पहुंचे और वहां विशाल शिव प्रतिमा का अवलोकन किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, सहकारिता मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री उदयलाल आंजना, राजसमंद कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी समेत कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

करिअर के नए टॉप ट्रेंड्स

बदलते वक्त के साथ विद्यार्थियों के लिए आज तमाम नए करिअर विकल्प उपलब्ध हैं. आप भी अपनी रुचि के अनुसार किसी का चयन कर सकते हैं, जहां तुलनात्मक रूप से आगे बढ़ने की संभावना अधिक होती है. इंजीनियरिंग, मेडिकल अथवा बैंकिंग जैसे विकल्प तो सदाबहार हैं, जिनकी लोकप्रियता अवसरों की उपलब्धता के कारण विद्यार्थियों में निरंतर बनी रहती है.

बदलते वक्त के अनुसार करिअर विकल्पों की सूची में अब ऐसे-ऐसे विकल्प भी शामिल हो चुके हैं, जिनके बारे में पहले सोचा भी नहीं जाता था या उनमें अधिक स्कोप नजर नहीं आता था. वर्तमान परिवेश में ऐसे नए करिअर ट्रेंड्स भी युवाओं को खूब लुभा रहे हैं. नए होने के कारण तुलनात्मक रूप से इनमें प्रतिस्पर्धा भी कम होती है.

एडवेंचर टूरिज्म

एडवेंचर टूरिज्म के तहत ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, रॉक क्लाइबिंग, स्कूबा डाइविंग, पैराग्लाइडिंग आदि विभिन्न गतिविधियां आती हैं. इससे संबंधित विशेषज्ञ को एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर कहा जाता है, जिसे टूरिज्म डिपार्टमेंट, एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब, रिजॉर्ट्स आदि में अवसर मिलते हैं. आर्थिक स्थिति अनुकूल हो तो स्वरोजगार के दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र महत्वपूर्ण है.

- नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग, उत्तराखंड
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट्स, गोवा

पेट्स स्टाइलिंग

पालतू जानवरों के शौकीनों की बढ़ती संख्या से पेट्स स्टाइलिस्ट के लिए भी अवसरों में वृद्धि हुई है, खासकर महानगरों में. पालतू जानवरों की सेहत के अलावा उनका खानपान, उनके रहने का स्थान, उनका लुक आदि कई बातें पेट्स स्टाइलिस्ट के कार्य-क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं.

- स्कूपी स्क्रब, नई दिल्ली
- फूजी वूजी, बेंगलुरु

वुड टेक्नोलॉजी

फर्नीचर निर्माण का रूप-रंग अभी तक परंपरागत ही था, पर आज के माहौल में फैशन डिजाइनिंग की तरह ही यह एक ग्लैमरस पेशा हो गया है. इससे संबंधित विभिन्न कोर्स विभिन्न संस्थानों में उपलब्ध हैं.

- इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु
- गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, श्रीनगर

एमसी

एमसी (emcee) प्रोफेशनल्स को हिंदी में सूत्रधार भी कहते हैं. किसी कार्यक्रम का संचालन इनके जिम्मे होता है, चाहे वह टीवी पर प्रसारित होने वाला कोई प्रोग्राम हो अथवा कोई लाइव इवेंट. यदि आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर हो, एक से अधिक भाषाएं आपको आती हों और लोगों को बांधे रखने की आपमें क्षमता हो तो आप उचित ट्रेनिंग लेकर इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं.

- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- सिम्बॉयोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे

ई-कॉमर्स

ई-कॉमर्स के तहत विभिन्न प्रोडक्ट्स/सर्विसेज की बिक्री वेबसाइट के माध्यम से की जाती है. जैसे-जैसे ऑनलाइन कारोबार में तेजी आ रही है, ई-शॉपिंग, ई-बिजनेस, ई-टिकटिंग, ई-लर्निंग आदि के विशेषज्ञों के लिए अवसरों में भी इजाफा हो रहा है. इससे संबंधित विभिन्न संस्थानों में इससे संबंधित सर्टिफिकेट और बैचलर कोर्स में दाखिला लिया जा सकता है.

- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- डॉ. बी.आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा

एयरपोर्ट मैनेजमेंट

हवाई यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता के मद्देनजर एयरपोर्ट मैनेजमेंट से संबंधित ट्रेड प्रोफेशनल्स की मांग में इजाफा हुआ है. इसके तहत फ्रंट ऑफिस, कस्टमर केयर, टिकटिंग, सिक्योरिटी, हॉस्पिटलिटी आदि क्षेत्रों में मौके मिलते हैं.

- एवलन एकेडमी, मुंबई व अन्य केंद्र
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

वाइन टेस्टिंग

इस क्षेत्र में मौके पहले भी होते थे, पर इस सेक्टर में विभिन्न कंपनियों के आने और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में विस्तार होने से वाइन टेस्टर्स के लिए अब अधिक अवसर हैं. होटल मैनेजमेट कोर्स के दौरान इसमें विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है.

- इंस्टीट्यूट ऑफ वाइन ऐंड बेवरेज स्टडीज, नई दिल्ली
- एशिया वाइन सर्विस ऐंड एजुकेशन सेंटर, टीडब्ल्यूए, मुंबई

ऑनलाइन गेम डेवलपर

ऑनलाइन गेम्स हों या कंप्यूटर पर खेले जाने वाले गेम्स, इनकी लोकप्रियता बच्चों, किशोरों और युवाओं में काफी अधिक है. इस फील्ड में सदैव नए-नए प्रयोगों की गुंजाइश रहती है. इसलिए मल्टीमीडिया और एनिमेशन से संबंधित पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद गेम डेवलपर के रूप में करिअर की दिशा निर्धारित की जा सकती है.

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- मैक, कई केंद्र

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स का संबंध पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि से है. आज के माहौल में लॉ एक्सपर्ट, चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, एमबीए (फाइनेंस) आदि प्रोफेशनल्स के लिए इससे संबंधित पाठ्यक्रम बेहद उपयोगी हैं.

- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- बायोइन्फॉरमेटिक्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, नोएडा

साइबर लॉ

इंटरनेट की लोकप्रियता ने साइबर अपराधों में भी इजाफा किया है. इन पर लगाम कसने के लिए साइबर लॉ के विशेषज्ञों की आज काफी मांग है. आनेवाले समय में इस मांग में और इजाफा होने की उम्मीद है.

- एशियन स्कूल ऑफ साइबर लॉ, पुणे
- डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली

हेल्थकेयर मैनेजमेंट

उन्नत होती चिकित्सा सुविधाओं और फाइव स्टार होटलों के रूप में विकसित होते अस्पतालों के कारण हेल्थकेयर मैनेजरों के लिए मौके उत्पन्न हुए हैं.

फिटनेस एक्सपर्ट

पिछले कुछ वर्षों से सेहत को लेकर लोगों में जागरूकता काफी बढ़ी है. यही कारण है कि बेहतर शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती के मद्देनजर हर आयु वर्ग के लोगों के लिए फिटनेस एक्सपर्ट की जरूरत महसूस की जाने लगी है. स्कूल, कॉलेज, जिम, फिटनेस सेंटर आदि जगहों पर फिटनेस एक्सपर्ट अपनी सेवाएं दे सकते हैं.

- इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ऐंड स्पोर्ट्स साइंस, नई दिल्ली
- के एलेवेन फिटनेस एकेडमी, मुंबई

बिना कोचिंग के क्लियर किया UPSC

बनीं IFS ऑफिसर

यूपीएससी परीक्षा के लिए हर कोई अपने हिसाब से रणनीति बनाकर तैयारी करता है. इससे पहले सभी प्रेरणा लेने के लिए टॉपर्स की सक्सेस स्टोरी भी जरूर पढ़ते हैं. यूपीएससी परीक्षा 2020 में 23वीं रैंक हासिल करने वाली सदफ चौधरी युवाओं के लिए किसी मिसाल से कम नहीं हैं. सदफ चौधरी वर्तमान में इंडियन फॉरेन सर्विस (IFS) ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं. यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए उनकी स्ट्रैटेजी आपके भी काफी काम आ सकती है.

रुड़की के मोहितपुर गांव की रहने वाली सदफ चौधरी ने 2 साल तक कड़ी मेहनत करके यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की थी. उनके पास ज्यादा रिसोर्सेस नहीं थे और इसलिए उन्होंने घर पर रहकर ही सेल्फ स्टडी की थी. सदफ का मानना है कि यूपीएससी की जर्नी बहुत पहले से शुरू हो जाती है. आप कैसी किताबें पढ़ रहे हैं, आपके दोस्त कैसे हैं, आपकी संगति कैसी है, किस तरह की चीजों में आप हिस्सा ले रहे हैं, इन सब चीजों का यूपीएससी पर बहुत असर पड़ता है.

2018 में शुरू की तैयारी

सदफ चौधरी ने साल 2018 में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी. उनका ज्यादातर समय किताबों के बीच गुजरता था और इन दो वर्षों में उन्होंने खूब मेहनत थी. इस दौरान उन्होंने बाहरी दुनिया से इंटरैक्शन काफी कम कर दिया था. छोटे शहर या गांव में होने के कारण गाइडेंस भी उतना अच्छा नहीं मिल पाता था.

तैयारी से पहले प्लानिंग सबसे जरूरी

सदफ कहती हैं कि यूपीएससी परीक्षा की तैयारी से पहले प्लानिंग करना जरूरी है. अपने प्रति ईमानदार रहिए. तैयारी को लेकर 80 प्रतिशत फिक्स रहिए. अपनी योजना में 20 प्रतिशत ऊपर-नीचे कर सकते हैं. एक टॉपिक को 10 किताबों में पढ़ने के बजाय एक ही जगह से पढ़ें. अपने नोट्स बनाएं और उनका रिवीजन करते रहें.

पहली बार में नहीं निकला था प्रिलिम्स

सक्सेस STORY

सदफ चौधरी अपने पहले अटेंप्ट में प्रिलिम्स परीक्षा नहीं निकाल पाई थीं. ऐसे में वे परेशान जरूर हो गई थीं लेकिन हताश नहीं हुई थीं. इस जर्नी ने उन्हें बहुत कुछ सिखा दिया था. वे पहले से भी ज्यादा मोटिवेटेड हो गई थीं और नेक्सट अटेंप्ट में यूपीएससी परीक्षा पास करने का हौसला दोगुना कर लिया था.

पार्ट टाइम जॉब से बढ़ेगा एक्सपीरियंस, मिलेगा डबल फायदा

आप कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हों या कहीं नौकरी, पार्ट टाइम जॉब आपके लिए हमेशा एक बेहतरीन करिअर ऑप्शन साबित होती है. इन दिनों पार्ट टाइम जॉब का ट्रेंड काफी हिट है. अपनी जॉब या कॉलेज में पढ़ाई के बाद फ्री टाइम में लोग हॉबी बेस्ड या करिअर ओरिएंटेड पार्ट टाइम जॉब ढूंढ लेते हैं. इससे उन्हें करिअर ग्रोथ में काफी मदद मिलती है.

कई ऐसे काम होते हैं, जिन्हें घर पर रहते हुए भी आसानी से किया जा सकता है. जिन लोगों की कंटेंट राइटिंग में दिलचस्पी होती है, वे अपने फ्री टाइम में फ्रीलांस प्रोजेक्ट उठा लेते हैं. अगर आप भी ऐसी किसी फील्ड में हैं, जिसमें पार्ट टाइम जॉब करने का मौका मिल सकता है तो उसका फायदा जरूर उठाएं. इससे साइड इनकम के साथ ही आपकी स्किल्स में भी ग्रोथ होगी.

अपनी फील्ड में करें

आप जिस फील्ड में पढ़ाई कर रहे हों या ट्रेनिंग कोर्स कर रहे हों, उसी में पार्ट टाइम जॉब करना ज्यादा बेहतर रहता है. इससे उस फील्ड का अच्छा एक्सपीरियंस हासिल हो जाता है, जिससे भविष्य में उसी क्षेत्र में नौकरी भी मिल सकती है. पार्ट टाइम जॉब को ट्रेनिंग की तरह ट्रीट किया जाना चाहिए. इससे कमाई तो होती ही है, आगे करिअर की राह भी आसान हो जाती है. अगर आप जॉब से टाइम निकालकर पार्ट टाइम जॉब कर रहे हों तो हॉबी बेस्ड ऑप्शन भी सेलेक्ट कर सकते हैं.

वर्क कल्चर को समझना होगा आसान

अगर किसी कंपनी में पार्ट टाइम जॉब करने का मौका मिलता है तो इससे वहां के वर्क कल्चर को समझने में मदद मिलती है. वहां मिलने वाले एक्सपोजर से भविष्य में काफी फायदा होता है. पार्ट टाइम काम करते हुए आप कई जरूरी बातें सीख लेते हैं. इससे वर्क डिसिप्लिन की भी जानकारी मिलती है. पार्ट टाइम जॉब करने से टाइम मैनेजमेंट, टीम वर्क, क्रिएटिविटी, मल्टी टास्किंग और लीडरशिप की क्वालिटी भी बढ़ती है.

हर चीज के बीच बनाएं सही बैलेंस

अगर आप पार्ट टाइम जॉब करते हैं तो अपनी पढ़ाई और काम के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा. इससे आपकी पढ़ाई या ट्रेनिंग को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए. पार्ट टाइम जॉब का मकसद सिर्फ पैसा कमाना नहीं होना चाहिए. कई कंपनियों का वर्किंग शेड्यूल काफी फ्लेक्सिबल होता है. वहां आप अपने हिसाब से काम कर सकते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि स्थिति हमेशा आपके अनुकूल ही हो. ऐसे में अपनी पढ़ाई या प्राइमरी जॉब को तरजीह दें.

रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के लिए आवेदन खुल गए हैं. इस स्कॉलरशिप के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर विज्ञान, गणित व कंप्यूटिंग और इलेक्ट्रिकल तथा / या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिग्री प्रोग्राम करने वाले भारत के सभी संस्थानों के प्रथम वर्ष के अंडरग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट छात्र आवेदन कर सकते हैं. सामाजिक भलाई के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाले छात्रों के लिए ये स्कॉलरशिप वरदान साबित हो सकती है.

रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप

मिलेगी लाखों रुपये की ग्रांट

दरअसल, उन्हें ग्रांट अवार्ड के साथ-साथ बेहतरीन डेवलपमेंट प्रोग्राम भी दिए जा सकते हैं. इसके तहत 60 अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स को 4 लाख रुपये तक की ग्रांट दी जाएगी, जबकि 40 पोस्टग्रेजुएट छात्रों को 6 लाख रुपये तक की ग्रांट मिल सकती है. साल 2021 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कंप्यूटर विज्ञान में रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के तहत 76 प्रथम वर्षीय अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्रों को छात्रवृति मिली थी. छात्रों को ग्लोबल एक्सपर्ट्स के साथ बातचीत करने और उनके साथ विचार साझा करने का अवसर मिलेगा. यही नहीं, छात्र मेंटरिंग, इंटर्नशिप, वॉलेंटियरिंग के लिए भी अप्लाई कर सकेंगे. रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के तहत एक कड़ी और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के तहत भारत के सबसे ब्राइट स्टूडेंट्स को खोजा जाएगा.

चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया में एक ऑनलाइन एप्लीकेशन और भारतीय और अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट्स के एक पैनल के साथ इंटरव्यू भी शामिल होगा. स्कॉलरशिप मेरिट के आधार पर दी जाएगी. रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने की कोई फीस नहीं है. आसान शब्दों में समझें तो आप इसके लिए निशुल्क अप्लाई कर सकते हैं.

प्रोडक्ट मैनेजर में चाहिए रिसर्च स्किल्स

प्रोडक्ट को ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए लम्बी रिसर्च की जरूरत होती है. इसे एक टीम के साथ मिलकर तैयार किया जाता है. इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रोडक्ट मैनेजर की होती है. आइए जानते हैं कि सफल उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोडक्ट मैनेजर में कौन सी स्किल्स होनी जरूरी है.

खतरों से निपटने का तरीका

एक कामयाब प्रोडक्ट बनाने के लिए मार्केट रिसर्च बहुत जरूरी है. कंज्यूमर क्या चाहता है, उसकी डिमांड और मार्केट में बढ़ते कॉम्पिटीशन से निपटने के लिए रिसर्च करना जरूरी है. रिसर्च स्किल्स और आंकड़ों की एनालिसिस एक प्रोडक्ट मैनेजर को नये मौके और खतरों से निपटने का तरीका सिखाते हैं. एक प्रोडक्ट को सफल बनाने के लिए प्रोडक्ट मैनेजर को भविष्य के विजन को समझने की जरूरत होती है.

एनालिटिकल

मार्केटिंग से जुड़ी रिसर्च के बाद एक प्रोडक्ट मैनेजर को यह तय करना पड़ता है कि प्रोडक्ट से जुड़े निर्णय कब और कैसे लेने हैं. इसके लिए मार्केटिंग रिसर्च के आंकड़ों की एनालिसिस जरूरी है. यह एनालिसिस प्रोडक्ट को बेहतर करने के साथ कंज्यूमर के मुताबिक तैयार करने में मैनेजर की मदद करती है.

डेलिगेशन

एक प्रोडक्ट मैनेजर को यह मालूम होना चाहिए कि उसकी टीम का कौन सा मेम्बर किस तरह के काम को बेहतर कर सकता है. उन्हें, उन्हीं के मुताबिक टास्क देना भी एक स्किल है. इस डेलिनेशन स्किल की मदद से लक्ष्य को समय से हासिल किया जा सकता है और टीम मेम्बर्स एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं.

कम्युनिकेशन

एक प्रोडक्ट मैनेजर में कम्युनिकेशन स्किल होना कई मायनों में जरूरी है क्योंकि क्लाइंट के साथ मीटिंग और प्रेजेंटेशन से लेकर हर एक जरूरी बात साझा करना पड़ता है. इस दौरान उनकी जरूरत को समझना, लिखना और ध्यान से सुनना जरूरी है. इसलिए प्रोडक्ट मैनेजर के लिए कम्युनिकेशन स्किल अहम है. कम्युनिकेशन स्किल टीम के साथ लक्ष्य हासिल करने के लिए भी होना जरूरी है. प्रोडक्ट को सफल बनाने और उसे ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए एक बेहतरीन टीम और टैलेंटेड प्रोडक्ट मैनेजर की जरूरत होती है. प्रोडक्ट मैनेजर के नेतृत्व में ही टीम आगे बढ़ती है.

ऑनलाइन जॉब सर्चिंग के मामले में लिंक्डइन एक बेहतर प्लेटफार्म माना जाता है क्योंकि यहां रिक्रूटर को सीधे रेज्युमे भेज सकते हैं, उनसे अपने सवालों के जवाब पा सकते हैं और जॉब प्रोफाइल को समझ भी सकते हैं. इस प्लेटफॉर्म पर जॉब सर्चिंग के दौरान अक्सर कैंडिडेट्स कुछ गलतियां करते हैं, जिनसे बचने की जरूरत है, ताकि कम समय में जॉब पाना आसान हो सके.

लिंक्डइन पर जॉब ढूंढ़ते समय न करें गलतियां

सिर्फ कमेंट करने से बात नहीं बनती

जब भी एचआर मैनेजर जॉब के लिए पोस्ट डालता है तो उसमें अप्लाई करने की पूरी प्रॉसेस होती है. इसे ठीक से पढ़ें और रेज्युमे ई-मेल करें. ज्यादातर कैंडिडेट पोस्ट पढ़ने के बाद कमेंट में 'इंटरेस्टेड' लिखते हैं. इससे आपको जॉब मिलने की संभावना कम हो जाती है. ऐसा करने से बचें क्योंकि कई बार एचआर के पास इतना समय नहीं होता कि वह सबकी प्रोफाइल को चेक कर सके.

बेवजह एचआर मैनेजर को मैसेज करने से बचें

कई कैंडिडेट्स बार-बार एचआर मैनेजर को भविष्य में जॉब होने पर इंफॉर्म करने के लिए कहते हैं, ऐसा करने से बचें. जब भी किसी कंपनी में जॉब निकलती है तो सीधे एचआर मैनेजर पोस्ट के जरिए जॉब के बारे में बताता है. यह जानकारी मिल सके, इसके लिए अपने फील्ड से जुड़ी कंपनियों के एचआर मैनेजर को अपनी प्रोफाइल से जोड़ें.

जॉब की-वर्ड्स जरूरी

जॉब सर्च करने के लिए अपनी प्रोफाइल से जुड़े की-वर्ड सर्च करें. इससे जॉब ढूंढ़ना आसान होता है. ध्यान रखें कि मनपसंद प्रोफाइल मिलने पर डेडलाइन से पहले रेज्युमे भेजें और कवर लेटर जरूर शामिल करें.

डर्मेटोलॉजिस्ट : बनिए त्वचा के विशेषज्ञ

आज के समय में लोगों को स्किन, बाल और नाखून से जुड़ी कई तरह के समस्याएं हो रही हैं. आप डर्मेटोलॉजी में पढ़ाई करके स्किन स्पेशलिस्ट बन सकते हैं. आज के समय में अगर किसी को एक छोटी सी भी स्किन से जुड़ी समस्या हो जाती है तो लोग उससे परेशान हो जाते हैं. यही कारण है कि इस समय स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर का दायरा बढ़ता जा रहा है.

अगर आप एक स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर बनना चाहते हैं तो आपको डर्मेटोलॉजी की पढ़ाई करनी होगी. डर्मेटोलॉजी में आपको स्किन, बाल और नाखून आदि के बारे में पढ़ाया जाएगा. डर्मेटोलॉजी अध्ययन शोध और सामान्य विकारों, रोगों, कैंसर, कॉस्मेटिक और त्वचा की उम्र बढ़ने की स्थिति, वसा, बाल, नाखून, जनन झिल्ली और विभिन्न जांचों द्वारा इनका प्रबंधन के अलावा थेरेपी के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी. इसे पढ़ने के बाद आप एक स्किन स्पेशलिस्ट डॉक्टर यानी डर्मेटोलॉजिस्ट बन सकते हैं. डर्मेटोलॉजी में मेडिकल और सर्जिकल दोनों शामिल हैं. डर्मेटोलॉजी में स्पेशलिस्ट फिजिशियन को डर्मेटोलॉजिस्ट कहते हैं.

एजुकेशन

आज के समय में डर्मेटोलॉजी अत्यधिक कॉम्पिटीशन वाला मेडिकल फील्ड बन गया है. इस फील्ड में कई वर्षों की शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है. यहां करिअर बनाने के लिए आपको पीसीबी के साथ 12वीं पास करने के बाद में आप बैचलर ऑफ मेडिसिन, बैचलर ऑफ सर्जरी (MBBS) कोर्स कर सकते हैं. MBBS के बाद आप इसमें मास्टर डिग्री प्रोग्राम और डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (MD) भी कर सकते हैं.

कोर्सेस

- डिप्लोमा इन डर्मेटोलॉजी
- ग्रेजुएशन इन डर्मेटोलॉजी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी
- मास्टर ऑफ साइंस इन डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी
- डॉक्टर ऑफ मेडिसिन इन डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी

एडमिशन प्रोसेस

डर्मेटोलॉजी के लिए कैंडिडेट राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के माध्यम से MBBS कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं. वहीं एम्स में प्रवेश के लिए कैंडिडेट को एम्स की प्रवेश परीक्षा देनी होती है. अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में प्रवेश लेने के लिए उस संस्थान की मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी. वैसे हर कॉलेज व संस्थान में एडमिशन प्रक्रिया बदलती रहती है. ऐसे में कैंडिडेट उस कॉलेज और विवि के वेबसाइट पर जाकर लेटेस्ट जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

करिअर स्कोप

त्वचा की समस्याओं के कारण आने वाले समय में डर्मेटोलॉजिस्ट की डिमांड बढ़ रही है. डर्मेटोलॉजिस्ट के लिए बहुत सारे रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं. ये किसी भी अस्पताल के डर्मेटोलॉजी विभाग में काम कर सकते हैं. डर्मेटोलॉजिस्ट सरकार और प्राइवेट दोनों अस्पतालों में जॉब कर सकते हैं. इसके साथ ही वे शिक्षण का विकल्प भी चुन सकते हैं और विदेशों में नौकरी कर सकते हैं. यहां पर आप प्रोफेसर, स्किन स्पेशलिस्ट, थेरेपी मैनेजर और प्रोडक्ट मैनेजर जैसे पदों पर रहकर कार्य कर सकते हैं.

प्रमुख संस्थान

किसी भी क्षेत्र में एक अच्छा करिअर बनाने के लिए आपमें महत्वपूर्ण स्किल होने के साथ एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश लेना भी जरूरी है. डर्मेटोलॉजिस्ट बनने के लिए आप कुछ प्रमुख कॉलेजों में एडमिशन ले सकते हैं.

- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइन्स
- गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नागपुर
- पद्मश्री डॉ डी.वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी
- एसआरएम यूनिवर्सिटी
- क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर
- सशस्त्र संसाधन चिकित्सा कॉलेज, पुणे
- कस्तूरबा चिकित्सा कॉलेज, मुंबई
- जवाहर लाल नेहरू इंस्टी. ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च.

ब्रांड मैनेजमेंट में शानदार स्कोप

भारत में हर छोटी-बड़ी कंपनी को अपने प्रोडक्ट्स या सर्विस को कस्टमर्स तक पहुंचाने के लिए ब्रांड मैनेजर की जरूरत पड़ती है. यहां तक कि ब्लॉगर्स या इन्फ्लुएंसर्स भी ब्रांड मैनेजर की मदद से अपना प्रमोशन कर रीच बढ़वाते हैं. भारत में ब्रांड मैनेजर के तौर पर करिअर बनाने में काफी स्कोप है. इन दिनों हर कंपनी ब्रांड मैनेजर की मदद से अपने प्रोडक्ट्स या सर्विस को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश करती है. साथ ही मार्केट और लोगों के बीच छवि दुरुस्त रखने में भी मदद मिलती है. एक ब्रांड मैनेजर के बिना मार्केट में सर्वाइव कर पाना आसान नहीं है.

क्रिएटिव लोग हैं पहली पसंद

कोई भी ट्रेंड बहुत तेजी से बदलता है. मार्केट में बने रहने के लिए नए-नए आइडिया की जरूरत होती है. इन्हीं की बदौलत अपने ब्रांड को ग्राहकों के बीच मशहूर बनाया जा सकता है. क्रिएटिविटी के आधार पर ही ब्रांड प्रमोशन के नए तरीके ईजाद किए जाते हैं. इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए मार्केट रिसर्च, एनालिसिस, सेल्स और प्रोडक्ट के प्रमोशन की प्लानिंग जैसी स्किल्स की भी जानकारी होनी चाहिए.

शैक्षणिक योग्यता

एक सफल ब्रांड मैनेजर बनने के लिए ब्रांड मैनेजमेंट या मैनेजमेंट में डिग्री या डिप्लोमा होना जरूरी है. भारत के कई संस्थानों में इसके लिए अलग-अलग कोर्स करवाए जा रहे हैं. आप चाहें तो शॉर्ट टर्म कोर्स भी कर सकते हैं.

करें ये कोर्स

ब्रांड मैनेजमेंट के क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए आप इन कोर्सेस में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं- मार्केट रिसर्च, एनालिसिस ऑफ मार्केटिंग ट्रेंड, कंज्यूमर डिमांड, ब्रांड लॉन्च एंड यूएसपी, ब्रांड रिसर्च, ब्रांड प्रमोशन और डिस्ट्रिब्यूशन आदि. इन सभी कोर्सेस की मदद से करिअर में काफी ग्रोथ हासिल की जा सकती है.

इसमें बहुत है स्कोप

औसतन एक ब्रांड मैनेजर को जॉब की शुरुआत में 30 हजार से 50 हजार रुपये तक की सैलरी ऑफर की जाती है. इसमें समय के साथ एक्सपीरियंस के आधार पर इंक्रीमेंट होता रहता है. अपनी प्रतिभा की बदौलत आप प्रमोशन भी पा सकते हैं. कई कंपनियों में विदेश जाने का अवसर भी मिल जाता है.

ब्रांड मैनेजर में देखे जाते हैं ये गुण

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए क्रिएटिविटी के साथ ही लॉजिकल रीजनिंग और कम्युनिकेशन स्किल्स का बेहतर होना भी जरूरी है.

एक नज़र

भारत जोड़ो यात्रा तेलंगाना में
375 किलोमीटर का होगा सफर 19 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी

एजेंसी

हैदराबाद। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा तीन दिनों के अंतराल के बाद 27 अक्टूबर को तेलंगाना के नारायणपेट जिले के मकताल से फिर से शुरू होगी। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यात्रा तेलंगाना में 16 दिनों तक जारी रहेगी, जिसमें 19 विधानसभा और सात संसदीय क्षेत्रों से होते हुए 375 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।कर्नाटक में रायचूर से प्रस्थान के बाद भारत जोड़ो यात्रा ने 23 अक्टूबर की सुबह गुडेबेलूर के रास्ते तेलंगाना में प्रवेश किया था। बाद में दीपावली का अवकाश रहा।

महाराष्ट्र में होगा दो रैलियों का आयोजनः भारत जोड़ो यात्रा सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी और पार्टी ने इसके तहत राज्य में दो रैलियां आयोजित करने की योजना बनाई है। राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे राज्य में यात्रा में शामिल होंगे। ठाकरे ने बताया कि उनके यात्रा में सम्मिलित होने की तारीख अभी तय नहीं है।

भारत: 22.20 करोड़ बच्चे आपदा की चपेट में

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में करीब 51 प्रतिशत बच्चे गरीबी और जलवायु आपदा के दोहरे प्रभावों में जी रहे हैं। यह बात एक नए अध्ययन में कही गई है। 'जनरेशन होपः वैश्विक जलवायु और असमानता संकट समाप्त करने के 2.4 अरब कारण' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे एशिया में लगभग 35 करोड़ बच्चे गरीबी और जलवायु आपदा दोनों की चपेट में हैं, जिनमें भारत के 22.20 करोड़ बच्चे शामिल हैं। इस दृष्टि से भारत का नाम विश्व स्तर पर सबसे ऊपर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 35.19 करोड़ बच्चों के साल में कम से कम एक चरम जलवायु घटना से प्रभावित होने का अनुमान है, उनमें से कुछ को विशेष जोखिम है, क्योंकि वे गरीबी में रह रहे हैं और इसलिए उनके पास खुद को बचाने और ठीक होने के लिए कम संसाधन हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व स्तर पर 77.40 करोड़ बच्चे इस उच्च जोखिम वाले समूह में आते हैं और उच्च आय वाले देश भी इस 'दोहरे खतरे' से अछूते नहीं हैं। जलवायु आपदा और गरीबी दोनों का सामना कर रहे 12.10 करोड़ बच्चे उच्च आय वाले देशों में रहते हैं और इनमें 10 में से चार (1.23 करोड़) बच्चे अमेरिका या ब्रिटेन में रहते हैं।

भाजपा को फिर लगा झटका, एक और नेता पार्टी छोड़ TRS में शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना में भाजपा के नेता रापोलू आनंद भास्कर ने बुधवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और वह सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में शामिल हो गए। टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य सरकार में मंत्री केटी रामाराव ने उनका पार्टी में स्वागत किया। भास्कर के इस्तीफे से पहले विधान परिषद के पूर्व सभापति स्वामी गौड़ और एक अन्य नेता श्रवण दासोजू भाजपा छोड़कर टीआरएस का दामन थाम चुके हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को लिखे पत्र में भास्कर ने कहा कि क्या पार्टी सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का पालन कर रही है? आपकी पार्टी से अलग होते हुए, मेरे लिए आरोप लगाना उचित नहीं है।

कांग्रेस से आए थे भाजपा में

भास्कर 2012 से 2018 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। उस समय वह कांग्रेस में थे। उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर 2019 में भाजपा की सदस्यता ले ली थी। हाल में उन्होंने सीएम के चंद्रशेखर राव से मुलाकात की थी और टीआरएस में शामिल होने की इच्छा प्रकट की थी। हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी लगाने के राजग सरकार के फैसले पर निराशा प्रकट करते हुए भास्कर ने राव से कहा कि वह यह सब बर्दाश्त नहीं कर सकते क्योंकि वह हथकरघा का काम करने वाले परिवार से जुड़े हैं।

ऋषि सुनक की उपलब्धि पर बोले भारतवंशी... यह दिवाली है कुछ ख़ास

नई दिल्ली। अमेरिका से लेकर पुर्तगाल तक कई देशों में भारतीय मूल के व्यक्ति महत्वपूर्ण पदों पर हैं। इस सूची में ब्रिटेन के नवनियुक्त प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी शामिल हो गए हैं। मॉरीशस व सुरीनाम ऐसे देश हैं जहां कई दशकों से सत्ता भारतीय मूल के लोगों के हाथों में रही है। लेकिन अब अमेरिका व यूरोपीय देशों में भारतीय मूल के लोगों का राजनीतिक कद बढ़ा है। कनाडा की राजनीति में भी भारतीय मूल के लोग खासा प्रभावी हैं। सुनक के ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने पर भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने जश्न मनाया और कहा कि यह विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय के लिए बड़ा दिन है।

सिलिकॉन वैली स्थित उद्यमी एवं इंडियास्पोरा के संस्थापक एम आर रंगास्वामी ने कहा, 'यह समुदाय के लिए दिवाली का बड़ा उपहार है। ऋषि पहले से ही इंडियास्पोरा के नेताओं की सूची में थे और हम उनका स्वागत करते हैं। हम ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभालने के लिए उन्हें बधाई देते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की पहली उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा, इस साल की दिवाली खास है, क्योंकि ब्रिटेन में पहली बार भारतीय मूल का व्यक्ति प्रधानमंत्री बना है। बधाई हो।, मिसिसिपी स्टेट बोर्ड ऑफ मेंटल हेल्थ के अध्यक्ष डॉ. संपत शिवांगी ने इतिहास रचने के लिए सुनक की सराहना की। कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने एक बयान में कहा कि सुनक की उपलब्धि कनाडाई लोगों की एक नयी पीढ़ी को सार्वजनिक सेवा में अधिक सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकती है।

पुर्तगाल के पीएम कोस्टा की जड़ें गोवा में

एंटोनियो कोस्टा पुर्तगाल के वर्तमान प्रधानमंत्री हैं। इसी साल चुनाव में जीतने के बाद उनका यह तीसरा कार्यकाल है। कोस्टा पुर्तगाल के साथ ही गोवा से जुड़े हुए है। उनके दादा लुई अफोन्सो मारिया डी कोस्टा गोवा के निवासी थे। हालांकि, एंटोनियो कोस्टा का जन्म मोजाबिंक में हुआ था। उनके कई रिश्तेदार गोवा के मरगाओ के नजदीक रहते हैं। सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब के पूर्वजों का इतिहास भी भारत से जुड़ा हुआ है। उनके पिता भारतीय थे, जबकि मां मलयाली मूल की थीं। याकूब सिंगापुर की पहली महिला राष्ट्रपति हैं। इससे पहले वे सिंगापुर संसद की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

भारतीय मूल की कमला हैरिस वर्तमान में अमेरिका की उप राष्ट्रपति हैं। अमेरिका के इतिहास में पहली बार डेमोक्रेटिक पार्टी की कोई महिला नेता उप राष्ट्रपति बनीं हैं। कमला हैरिस का भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु से रिश्ता है। वे 2011 से 2017 तक कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के रूप में भी काम कर चुकी हैं।

दूसरी ओर भारतीय मूल के लोगों के राजनीतिक प्रभाव की दृष्टि से मॉरीशस सबसे अहम देश है। प्रविंद कुमार जगन्नाथ मॉरीशस के प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले वे कैबिनेट में कई प्रमुख पदों पर रह चुके हैं। उनका रिश्ता बिहार राज्य से है। मॉरीशस के मौजूदा राष्ट्रपति पृथ्वीराजसिंह रूपन भी भारतीय मूल के ही राजनेता हैं।

मिल-जुलकर बढ़ें आगे: सोनिया, युवाओं को 50 फीसदी पद: खड़गे

उदयपुर घोषणा... और पार्टी के कायाकल्प की है बड़ी चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बुधवार को आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण के साथ ही पार्टी के कायाकल्प की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पार्टी की निवर्तमान अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नए अध्यक्ष खड़गे को बुधवार को शुभकमानाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में पार्टी को प्रेरणा मिलेगी और वह लगातार मजबूत होगी। वहीं खड़गे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि इस साल मई में उदयपुर में सोनिया गांधी के नेतृत्व के तहत तैयार 'ब्लूप्रिंट' को लागू करना उनकी जिम्मेदारी है। उदयपुर नव संकल्प चिंतिन शिविर में हमने तय किया था कि पार्टी में 50 फीसदी पद 50 साल से कम उम्र के लोगों के लिए आरक्षित रहेंगे। सभी संगठनात्मक पद भरे जाएंगे...। सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलजुलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया और कहा कि कांग्रेस ने कभी संकट के सामने हार नहीं मानी और आगे भी नहीं मानेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि खड़गे से पूरी पार्टी को प्रेरणा मिलेगी, एक संदेश मिलेगा और इनके नेतृत्व में कांग्रेस मजबूत होगी।

आपने यह सब प्यार के लिए कियाः प्रियंकाः कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी मां सोनिया गांधी के प्रति सम्मान जताते हुए लिखा, मुझे पता है, आपने यह सब प्यार के लिए किया। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर अपने भावनात्मक पोस्ट में अपने माता-पिता की एक तस्वीर डालकर लिखा, आप पर गर्व है।

पार्टी ने सोनिया के योगदान की सराहना

सोनिया गांधी के योगदान की सराहना करते हुए पार्टी ने बयान में कहा कि उन्होंने आम सहमति और विकास के साझा न्यूनतम कार्यक्रम को एक राजनीतिक मूल्य में बदल दिया और अपने राजनीतिक कौशल के साथ देश की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न राजनीतिक विचारधारा वाले दलों, समूहों और लोगों को एक मंच पर ला दिया।

चुनावी समर: अहम चुनौती

- **आसन्न चुनौती गुजरात-हिमाचल में:** - वर्तमान में कांग्रेस अपने दम पर सिर्फ दो राज्यों राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में सत्ता में है और तत्काल उसे हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरना है। खड़गे के सामने तात्कालिक चुनौती हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव है। दोनों राज्यों में उसे आक्रामक भाजपा और आम आदमी पार्टी आप से मुकाबला करना है।
- **अगले साल नौ राज्यों में चुनाव :** अगले साल छत्तीसगढ़, राजस्थान और अपने गृह राज्य कर्नाटक सहित नौ विधानसभा चुनावों के लिए तैयार रहना होगा। कर्नाटक में वह नौ बार विधायक रहे और पार्टी एवं सरकार में लगभग सभी अहम पदों पर रहे, हालांकि वह कभी भी राज्य के मुख्यमंत्री नहीं बन सके।
- **सबसे बड़ी परीक्षा:** इन प्रारंभिक चुनावी चुनौतियों के बाद खड़गे के लिए एक अहम परीक्षा 2024 के आम चुनावों से पहले विपक्ष में कांग्रेस की प्रमुखता बहाल करना होगा।
- **संकट यह भी:** पार्टी आंतरिक उठा-पटक का सामना कर रही है। कई वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। पार्टी के भीतर पुराने बनाम नए चुनौती का हल निकालना होगा। पार्टी ने युवा पीढ़ी के नेताओं को 50 प्रतिशत पद देने का वादा किया है।
- **पार्टी में प्राण फूंकना:** खड़गे को पार्टी संगठन को पुनर्जीवित कर कांग्रेस को चुनावी लड़ाई के लिए तैयार करना है वहीं राज्यों में गुटबाजी दूर करने पर भी ध्यान देना होगा। उदयपुर में गत मई में आयोजित चिंतन शिविर में पार्टी द्वारा घोषित सुधारों को लागू करने की भी जिम्मेदारी है। साथ ही विपक्षी दलों के बीच कांग्रेस का प्रभुत्व बहाल करने की चुनौती है।
- **परिवारवाद की छवि तोड़नाः** एक परिवार द्वारा संचालित संगठन की छवि को दूर करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंशवादी राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए हाल ही में आरोप लगाया था कि ऐसे दल लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

अब नोटों को लेकर चले सियासी तीर

नोटों पर लक्ष्मी व गणेश के चित्र छापने पर हो विचार: मुख्यमंत्री केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारतीय करेंसी नोटों पर भगवान गणेश और लक्ष्मी के चित्र प्रकाशित करने के प्रस्ताव पर विचार करने का आग्रह किया। दूसरी ओर भाजपा ने केजरीवाल के इस आग्रह की कड़ी आलोचना करते हुए इसे आगामी चुनावों से पहले अपने पार्टी के भयावह हिंदू विरोधी चेहरे को छिपाने की नाकाम कोशिश करार दिया। यह दिल्ली के मुख्यमंत्री की यह यू-टर्न राजनीति की पराकाष्ठा है।

केजरीवाल ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा था कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के लगातार कमजोर होने के कारण देश नाजुक स्थिति से गुजर रहा है। उन्होंने दावा किया था कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए देश को बहुत सारे प्रयास करने के साथ ही हमारे देवी-देवताओं के आशीर्वाद की भी जरूरत है। केजरीवाल ने जोर देकर कहा, नोटों पर भगवान गणेश और लक्ष्मी के चित्र छापने पर पूरे देश पर कृपा बरसेगी। केजरीवाल ने कहा था, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से अपील करता हूं कि हमारे नोटों पर एक तरफ महात्मा गांधी की तस्वीर है।

यह जिस स्थिति में है, वैसी ही रहनी चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ भगवान गणेश और लक्ष्मी के चित्र छपे होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा था कि वह चलन में मौजूद सभी नोटों को बदलने की मांग नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनका सुझाव है कि हर महीने छापे जाने वाले नए नोटों में भगवान गणेश और लक्ष्मी के चित्र शामिल किए जाने चाहिए। इस तरह कुछ अवधि में बड़ी संख्या में इस तरह के नोट चलन में आ जाएंगे।

केजरीवाल का सियासी मंत्र

- अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए देश को देवी-देवताओं के आशीर्वाद की भी जरूरत
- नोटों पर भगवान गणेश और लक्ष्मी के चित्र छापने पर पूरे देश पर कृपा बरसेगी।

दिया इंडोनिशया का उदाहरण

केजरीवाल ने कहा कि यहां तक कि इंडोनेशिया, जिसकी 85 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिमों की है और जहां दो प्रतिशत से भी कम हिंदू हैं, उसके करेंसी नोटों पर भगवान गणेश का चित्र है।

केरल में खींचतान: राज्यपाल खान ने लिखा सीएम विजयन को पत्र

वित्तमंत्री पर कार्यवाही की मांग की, सीएम ने आरोपों को किया ख़ारिज़

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री विजयन को पत्र लिखकर वित्तमंत्री के एन बालगोपाल के खिलाफ संविधान सम्मत कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने यह मांग बालगोपाल द्वारा कथित तौर पर राष्ट्रीय एकता को कमतर करने वाला भाषण देने के मामले में की है। राज्यपाल की इस मांग को मुख्यमंत्री ने खारिज कर दिया है। खान ने विजयन को पत्र लिखकर कहा कि बालगोपाल के पद पर बने रहने को लेकर वह खुश नहीं हैं। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जवाबी पत्र लिखकर राज्यपाल की बालगोपाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग खारिज कर दी है। उन्होंने बालगोपाल के प्रति अपने विश्वास को दोहराया और कहा कि वह 'कम नहीं हुआ' है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अपने पत्र में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा मंत्रिमंडल से बालगोपाल को हटाने या बर्खास्त करने की मांग नहीं की है लेकिन विजयन को लिखे पत्र का संदेश यही है। उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि विजयन ने अपने जवाब में कहा कि देश के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं परंपरा के मुताबिक बयान राज्यपाल के मंत्री के प्रति विश्वास का आधार नहीं हो सकता।

मंत्री के भाषण को बताया उकसाने वाला

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में राज्यपाल ने आरोप लगाया कि 18 अक्टूबर को विश्वविद्यालय परिसर में बालगोपाल ने भाषण दिया जिसमें उन्होंने धार्मिकता और प्रांतीयता की भावनाओं को उकसाने की कोशिश की और भारत की अखंडता को कमतर किया। उनके पास यह बताने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि वित्त मंत्री के पद पर बने रहने से वह प्रसन्न नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक राज्यपाल ने कहा कि बालगोपाल का बयान उनके द्वारा ली गई शपथ के उल्लंघन जैसा है और विजयन को संविधान के अनुरूप कार्रवाई का निर्देश दिया।

भाषण को राज्यपाल की छवि धूमिल करने वाला बताया

राज्यपाल ने 19 अक्टूबर को अखबार में छपी खबर का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि केरल विश्वविद्यालय के कर्यावत्तम परिसर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बालगोपाल और उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू द्वारा दिया गया भाषण स्पष्ट रूप से राज्यपाल की छवि को धूमिल करने वाला और राज्यपाल कार्यालय की प्रतिष्ठा को कमतर करने वाला था। बालगोपाल ने कार्यक्रम में कथित तौर पर कहा था कि जो उत्तर प्रदेश जैसे स्थानों से आ रहे हैं उनके लिए केरल के विश्वविद्यालयों को समझना मुश्किल है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति के सुरक्षा कर्मियों ने पांच छात्रों को गोली मार दी। तब मैं सांसद था और वहां गया था। कुलपति की सुरक्षा में 50 से 100 गार्ड थे। वहां के कई विश्वविद्यालयों में इस तरह की स्थिति है।

कांग्रेस-माकपा ने लिया आड़े हाथ

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल की मांग पर कांग्रेस और सत्तारूढ़ माकपा बुधवार को एक मंच पर नजर आए। हालांकि, कांग्रेस ने आशंका भी जताई कि राज्यपाल और सरकार के बीच खींचतान कहीं 'फर्जी' तो नहीं है। माकपा ने आरोप लगाया कि खान भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंडे' को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। माकपा के प्रांत सचिव एम.वी.गोविंदन ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों और इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार राज्यपाल का विश्वास व्यक्तिगत नहीं हो सकता और निजी पसंद से उसे बदला नहीं जा सकता। इस बीच, केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक वी.डी.सतीशन ने कहा कि नई दिल्ली में खान के कार्यों से राज्य में प्रशासनिक संकट उत्पन्न नहीं होगा।

यह केजरीवाल का राजनीतिक ड्रामा: भाजपा

भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने पत्रकारों से कहा, अपनी सरकार की खामियों को छुपाने और आम आदमी पार्टी की हिन्दू विरोधी मानसिकता से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए केजरीवाल राजनीतिक ड्रामा कर रहे हैं। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में जो कुछ कहा, इसमें उनका पाखंड नजर आता है। हाल ही में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दीवाली पर पटाखे जलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। पात्रा ने ट्वीट किया, कल तक जो लोग दीपावली मनाने पर जेल में डालने की धमकी दे रहे थे, राम मंदिर को नकार रहे थे, स्वस्तिक और कश्मीरी हिन्दुओं का अपमान कर थे । उन्होंने हाल ही में आयोजित धर्म परिवर्तन के एक विवादित कार्यक्रम में आप नेता राजेन्द्र पाल गौतम की उपस्थिति का भी हवाला दिया, जहां लोगों ने हिन्दू देवी-देवताओं की पूजा नहीं करने की शपथ ली।

एक नज़र

सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना शिविर की शुरुआत

- राष्ट्रीय युवा योजना के तहत आयोजन
- 500 से ज्यादा स्वयंसेवक कर रहे शिरकत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गांधीवादी विचारक स्व. डॉ. एस.एन. सुब्बाराव की ओर से स्थापित राष्ट्रीय युवा योजना (एनवाईपी) द्वारा जयपुर के दुर्गापुरा कृषि अनुसंधान केंद्र में बुधवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना शिविर की शुरुआत की गई। 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होने वाले इस अखिल भारतीय शिविर में देशभर के 500 से ज्यादा स्वयंसेवक और गांधीवादी शिरकत कर रहे हैं। पूर्व महाधिवक्ता जी.एस. बापना ने बताया कि 27 अक्टूबर को सुब्बाराव की पहली पुण्यतिथि है। पिछले साल इसी दिन जयपुर में उनका निधन हुआ था। इसी को ध्यान में रखते हुए ही यह शिविर जयपुर में हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुब्बाराव जीवनभर देश में भाईचारे व सद्भावना के प्रसार और सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ संघर्ष के लिए युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से शिविर आयोजित करते थे। उन्हीं के काम को आगे बढ़ाते हुए यह शिविर आयोजित किया जा रहा है।

ठाकुरजी को लगाया 1111 पकवानों का भोग

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सूर्य ग्रहण के चलते करीब 150 सालों के बाद दिवाली के अगले दिन होने वाली गोवर्धन पूजा नहीं होकर तीसरे दिन पूजा की गई। इस अवसर पर भगवान को गर्म तासीर के व्यंजनों का भोग लगाया गया। वैशाली नगर स्थित स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर परिसर में जहां ठाकुरजी को 1111 पकवानों का भोग अर्पित किया गया, वहीं जयपुर के आराध्य गोविंद देवजी मंदिर में भगवान को अन्नकूट का 56 भोग लगाया गया और गोवर्धन की पूजा की गई। भगवान को 102 साल पुरानी पोशाक धारण कराई गई है। यह पोशाक तत्कालीन महाराजा माधोसिंह द्वारा अर्पित की गई थी, जिसे हर वर्ष गोवर्धन पूजा पर धारण कराई जाती है। बाकी ठाकुर जी को कोई भी पोशाक दोबारा धारण नहीं करवाई जाती। साथ ही आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर और ब्रज निधि मंदिर में भी पूर्व महाराजा की भेंट की गई पोशाकें ही गोवर्धन पूजा पर धारण कराई गई। इसके अलावा शहर के कृष्ण मंदिरों में गोवर्धन पर्वत की तर्ज पर झांकियां भी सजाई गई।

श्रीकृष्ण-बलराम मंदिर में गोवर्धन पर्वत!

जगतपुरा स्थित श्री कृष्ण बलराम मंदिर में गोवर्धन पूजा व अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। मंदिर के वृंदावन उद्यान में गोवर्धन पूजा के अवसर पर विशाल गोवर्धन पर्वत बनाया गया और व्यंजनों का भोग लगाया गया। हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के अध्यक्ष अमितासन दास ने बताया कि इस अवसर पर भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। भगवान की गोवर्धन की लीला की झांकी सजाई गई। संध्या में हरिनाम संकीर्तन के साथ दीपोत्सव एवं पालकी उत्सव मनाया गया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दी 36.56 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति, सूचना प्रौद्योगिकी को मिलेगा बढ़ावा

प्रदेश के 344 आवासीय विद्यालयों में बनेंगी डिजिटल लाइब्रेरी

- डिजिटल लर्निंग को मिलेगा बढ़ावा
- विद्यार्थी जुड़ सकेंगे तकनीक से

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। आज के परिदृश्य में डिजिटल लर्निंग के महत्व को समझते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 344 आवासीय विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए 36.56 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री गहलोत के इस निर्णय से जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, अल्पसंख्यक मामलात, स्कूल शिक्षा विभाग आदि के अधीन संचालित विभिन्न आवासीय विद्यालयों, बहुद्देशीय हॉस्टल व कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में अत्याधुनिक सुविधा से लैस डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित हो सकेंगी। उल्लेखनीय है कि वित्त एवं विनियोग विधेयक 2022-23 की चर्चा के दौरान की गई घोषणा की अनुपालना में मुख्यमंत्री ने यह सहमति प्रदान की है। गहलोत ने अल्प आय वर्ग के विद्यार्थियों को डिजिटल लर्निंग का लाभ दिलाने की दृष्टि से विभिन्न विभागों के अधीन आवासीय शिक्षण संस्थानों एवं चयनित विद्यालयों में 9वीं से 12वीं की कक्षाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय प्रावधान की घोषणा की थी।

1994 में एनएसएफ, डीएआरपीए व नासा ने किया उपयोग

डिजिटल लाइब्रेरी को राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (एनडीएल) भी कहा जाता है। इसे केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री प्रकाश आंबेडकर ने 19 जून 2018 को शुरू किया था। इसे आईआईटी खड़कपुर द्वारा डवलप किया गया है। इसमें डाटा डिजिटल स्वरूप (जैसे- प्रिंट, माइक्रोफॉर्म या किसी अन्य मीडिया के विपरीत) में स्टोर होता है। इस लाइब्रेरी को सबसे पहले 1994 में एनएसएफ, डीएआरपीए, नासा डिजिटल लाइब्रेरी इनिशिएटिव द्वारा यूज किया गया था।

विद्यार्थियों को मिलेगी ई-लर्निंग की सुविधा

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से सरकार के आवासीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को ई-लर्निंग की सुविधा मिल सकेगी। इन लाइब्रेरी की मदद से न केवल इन बच्चों के ज्ञान में वद्धि होगी बल्कि नए जमाने के साथ कदम से कदम मिल सकेगा। ई-लाइब्रेरी की सुविधा मिलने से ऐसे आवासीय विद्यालयों में रह कर पढ़ रहे बच्चे निजी स्कूलों के बच्चों के सामान ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। हाल ही में गहलोत सरकार ने मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट देने का भी ऐलान किया है।

इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में स्टोर होता है डाटा

डिजिटल लाइब्रेरी होती है, जिसमें डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में डाटा को स्टोर किया जाता है। कंप्यूटर या किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के द्वारा इस डाटा को एक्सेस किया जा सकता है। इसमें यूजफुल इनफॉर्मेशन और नॉलेज को मल्टीमीडिया डाटा में सूचना प्रबंधन के तरीकों का उपयोग करके रखा जाता है।

पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देकर महिलाओं के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने वाली संस्था वूमेन पावर सोसायटी की ओर से पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर महिला थाना पूर्व (गांधी नगर) जयपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी एकता राज, ममता मीणा सब इंस्पेक्टर सहित स्टाफ के सभी अधिकारी कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अर्चना सक्सेना, प्रदेश उपाध्यक्ष नीलम सूद एवं प्रदेश संयोजक संतोष कुमार के निर्देशन में जयपुर जिला अध्यक्ष (दक्षिण) शेफाली मेंदीरत्ता, जिला अध्यक्ष (उत्तर) सुनिता भाटिया एवं जिला महासचिव योगिता मीरवाल की अनुशंसा से पुलिस के सम्मान में यह समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य सुनीता मीरवाल, सानिया भाटिया एडवोकेट, राजेश कुमार, रविंद्र सूद ने महिला शक्ति को बढ़ाने पर विचार किया।

24 परिवार द्वारा चढ़ाए गए 24 विशेष निर्वाण लाडु

जनकपुरी में मनाया भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव आचार्य सुनील सागर महाराज की शिष्या आर्यिका संगीत मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। मंदिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को पालकी से लाकर पांडाल में पांडु शिला पर विराजित किया गया, जहां विश्व शांति के लिए अभिषेक और शांतिधारा की गई। आर्यिका संगीत मति माताजी के श्रीमुख से निर्वाण कांड वाचन के बाद समाज द्वारा निर्वाण लाडु चढ़ाया गया। 24वें तीर्थंकर के लिए मुख्य लाडु के अलावा 24 परिवारों द्वारा 24 विशेष लाडु चढ़ाए गए। साथ ही 2549वें निर्वाणोत्सव पर 49 दीपक से विशेष महाआरती की गई। इस अवसर पर आर्यिका माताजी ने अपने आशीर्वचन में भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में उतारने और जैन धर्म के मूल गुणों की पालन करने की अपील की। इस अवसर पर महिलाओं ने माताजी का पाद प्रक्षालन व आरती कर स्वागत किया। समाज के परिवारों द्वारा दीपावली पर घरों घरों पर भगवान महावीर व गौतम गणधर की पूजा अष्ट द्रव्यों से श्रद्धा के साथ कर निर्वाणोत्सव मनाया गया।

देर रात तबादला सूची जारी

सीएम गहलोत ने गुजरात जाने से पूर्व किये 30 आईएएस अधिकारियों के तबादले

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 30 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। सीएम गहलोत ने गुजरात जाने से पहले देर रात्रि को आईएएस अधिकारियों कीतबादला सूची जारी की।

तबादला सूची के अनुसार अभय कुमार को अतिरिक्त मुख्य सचिव पंचायत राज और खाद्य आपूर्ति विभाग, श्रीमती अर्पणा अरोड़ा को प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग, संदीप वर्मा को प्रमुख शासन सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, आनंद कुमार को प्रमुख शासन सचिव गृह और परिवहन विभाग, नवीन महाजन को अध्यक्ष राजस्थान प्रदूषण मंडल, वैभव गालरिया को प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग, रविकांत प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग, विकास भाई को शासन सचिव और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, आशुतोष के पेंडेकर को सीएमडी राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड और

अध्यक्ष राजस्थान ऊर्जा विभाग निगम जयपुर के पद पर लगाया है।

भानु प्रकाश को शासन सचिव गृह विभाग, डॉ. नीरज के पवन को संभागीय आयुक्त बीकानेर, पूर्ण चंद्र किशन को शासन सचिव आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा, श्रीमती शुचि त्यागी को मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेट हेल्थ इंश्योरेंस एजेंसी राजस्थान जयपुर, अतर सिंह नेहरा को संभागीय आयुक्त, जयपुर, करण सिंह को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य खान एवं खनिज निगम लिमिटेड, परमेश्वर लाल को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम, कुमारी प्रज्ञा केवलरामानी को आयुक्त देवस्थान विभाग उदयपुर, संदेश नायक को निदेशक खान एवं भूविज्ञान विभाग उदयपुर, श्रीमती रुकमणी रिया को जिला कलेक्टर हनुमानगढ़, नथमल डिडेल को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम जयपुर, डॉ प्रदीप के गवाड़े को आयुक्त उपनिवेशन विभाग बीकानेर, एम एल चौहान को संयुक्त शासन सचिव उच्च शिक्षा विभाग, लक्ष्मीनारायण मंत्री को जिला कलेक्टर डूंगरपुर, सुनील शर्मा को आयुक्त कॉलेज शिक्षा विभाग जयपुर, पुखराज सेन को आयुक्त खाद्य सुरक्षा औद्योगिक नियंत्रण आयुक्तालय, सौरभ सामी को जिला कलेक्टर गंगानगर, डॉ इंद्रजीत यादव को जिला कलेक्टर प्रतापगढ़, डॉ मंजू को संयुक्त सचिव उद्योग विभाग और श्रीमती आर्तिका शुक्ला को संयुक्त सचिव ऊर्जा विभाग जयपुर लगाया है।

दूरदर्शन केंद्र में स्वच्छता विशेष अभियान की समीक्षा

एमएल मीणा ने किया केंद्र परिसर का निरीक्षण

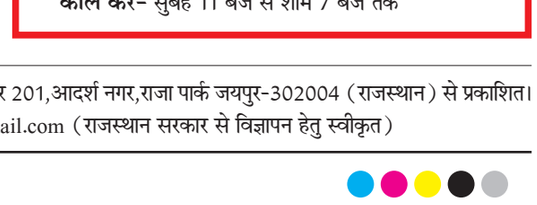

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दूरदर्शन केंद्र जयपुर में स्वच्छता विशेष अभियान द्वितीय के कार्यों की समीक्षा की गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त आर्थिक सलाहकार एमएल मीणा ने दूरदर्शन केंद्र परिसर का निरीक्षण किया और स्वच्छता विशेष अभियान द्वितीय के कार्यों की समीक्षा की।

इस दौरान अतिरिक्त आर्थिक सलाहकार एमएल मीणा ने दूरदर्शन केंद्र के विभिन्न स्थलों जैसे स्टूडियो, स्वागत कक्ष, उद्यान, मुख्य द्वार, और कार पार्किंग का अवलोकन किया और केंद्र में इस अभियान के दौरान हो रहे स्वच्छता के कार्यों पर संतोष जताया। इस अवसर पर निदेशक अभियांत्रिकी एवं केंद्र अध्यक्ष एच.पी.मीणा, निदेशक अभियांत्रिकी निलेश खंडेलवाल, समाचार प्रमुख मंजू मीणा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पीएन त्रिपाठी, कार्यक्रम अधिशासी एवं कार्यक्रम प्रमुख अशोक अम्बवानी समेत केंद्र के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

यह अभियान 31 अक्टूबर तक दूरदर्शन केंद्र पर चलाया जाएगा।

आवश्यकता

हिलव्यू समाचार में मार्केटिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता। अनुभव एवं योग्यता को प्राथमिकता। अपना सीवी वॉट्सऐप करें या संपर्क करें - 7976561127

कॉल करें- सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **ब्यूरो चीफ कोटा:** असलम रोमी मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)